छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 299 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 25 नवम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

नगर निगम क्षेत्र में सड़क निर्माण के बीच दोहरे रवैये को लेकर पूर्व महापौर भड़के

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर निगम अंबिकापुर क्षेत्र में सड़क निर्माण को लेकर दोहरे रवैये को लेकर पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की भड़क गए। उन्होंने सड़क मेंटनेंस करा रहे निगम कर्मियों को मरम्मत कार्य रोकने कहा, जब निगम कर्मियों ने काम नहीं रोका तो भड़के डॉ. तिर्की उन्हें गाली देने लगे। पूर्व महापौर का तेवर देखकर सहमे निगम कर्मी और ठेकेदार के कर्मचारी काम बंद करके भाग निकले। इस मामले पर महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि पूर्व महापौर को गाली नहीं देना चाहिए, वे विकास देखकर बौखला गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, निगम के अधिकारी-कर्मचारी के साथ ठेकेदार के लोग नवापारा में उखड़ी हुई सड़क की मरम्मत के लिए काम पर पहुंचे थे। जब वार्ड के लोग ने देखा तो पता चला कि सड़क की पूरी मरम्मत नहीं होगी, सिर्फ गड्ढे भरने का काम होगा। इसकी जानकारी पार्षद को भी मिली। पार्षद ने डॉ. अजय तिर्की को यह बात बताई, इसके बाद पूर्व महापौर रात को मौके पर पहुंचे।

सिर्फ गड्ढे भरने पर भड़के, दी गाली

निगम के अधिकारियों ने बताया कि नवापारा तिराहे से शिव मंदिर, चर्च और आगे की सड़क का सिर्फ मरम्मत का काम ही स्वीकृत हुआ है। यह सड़क बारिश में खराब हो गई थी और गड्ढों की वजह से लोगों को परेशानी हो रही थी। वहीं, नवापारा हॉस्पिटल के सामने से ग्रामीण बैंक तक की सड़क पर भी केवल गड्ढे भरे जाएंगे। डॉ. अजय तिर्की ने सड़क पर सिर्फ मरम्मत किए जाने पर सवाल उठाया। निगम के कर्मचारियों ने बताया कि इस सड़क पर केवल गड्ढे भरने का काम ही स्वीकृत हुआ है। इस पर डॉ. तिर्की ने काम रोकने के लिए कहा। जब कर्मचारियों ने काम नहीं रोका, तो वे गालियां देने लगे और धमकी दी कि उन्हें पीटा जाएगा। डरकर निगम कर्मचारी और ठेकेदार के कर्मचारी काम बंद करके वहां से चले गए।

निगम के दोहरे रवैये पर आपत्ति

जिस सड़क पर सिर्फ मरम्मत का काम किया जा रहा है, वह कांग्रेसी पार्षद के वार्ड में है। पूर्व महापौर ने कहा कि निगम में सत्तारूढ़ भाजपा दोहरा रवैया अपना रही है। जहां भाजपा के पार्षद हैं, वहां नई सड़क बनाई जा रही है, दूसरी ओर जहां कांग्रेस के पार्षद हैं, वहां केवल गड्ढे भरने जैसा मामूली काम हो रहा है। डॉ. तिर्की ने कहा कि राष्ट्रपति के दौरे के समय केवल उसी रास्ते की नई सड़क बनाई गई थी, जहां से राष्ट्रपति का काफिला गुजरना था। बाकी सड़कों पर लोग धूल और गड्ढों से परेशान हैं। सुनने वाला कोई नहीं है। डॉ. तिर्की ने मंत्री राजेश अग्रवाल से अपील की है कि जनता के साथ दोहरा रवैया न अपनाया जाए।

मौके पर विरोध करने पहुंचे वार्डवासी

मामले पर महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि पूर्व महापौर डॉ. तिर्की को कर्मचारियों को गाली नहीं देना चाहिए था। यह अशोभनीय है। डॉ. तिर्की 10 साल तक निगम के महापौर रह चुके हैं। साथ ही महापौर ने कहा कि निगम क्षेत्र में हाल ही में कई करोड़ के विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं, इसलिए पूर्व महापौर बौखलाए हुए हैं।

सामान्य सभा में भी उठा था मुद्दा

निगम क्षेत्र में विकास कार्यों में दोहरा मापदंड का मुद्दा निगम की सामान्य सभा में भी उठा था और इसे लेकर हंगामा हुआ था। विपक्ष का आरोप है कि कांग्रेसी वार्डों के लिए विकास कार्य की राशि कम दी जा रही है, वहीं भाजपा पार्षदों वाले वार्डों में भरपूर काम स्वीकृत हुए हैं।

एसडीओ ने कहा-नई सड़क का प्रस्ताव हुआ निरस्त

निगम में हाल ही में एसडीओ बने एक कर्मचारी से पूर्व महापौर ने पूछा कि इस क्षेत्र में नई सड़क बनाने का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ था और आकाशवाणी चौक से यह बन भी रहा था तो फिर नावापारा चौक के पास मात्र सीलकोट क्यों हो रहा है। एसडीओ ने कहा कि इन क्षेत्रों में नई सड़क का प्रस्ताव निरस्त कर दिया गया है। आरोप है कि बातचीत के दौरान ठेकेदार के कर्मचारियों ने अभद्रता की, जिससे श्पूर्व महापौर के साथ ही वहां मौजूद नागरिक भी आक्रोशित हो गए। मौजूद एसडीओ मोबाईल से वीडियो बनाने में व्यस्त रहे।

वीडियो के एक हिस्से को काट-छांटकर प्रसारित कर रहे

पूर्व महापौर के पहुंचने के बाद बनी स्थिति का एक वीडियो वायरल हुआ है, जो इंटरनेट मीडिया में छाया है। कांग्रेस का कहना है कि वीडियो के एक खास हिस्से को काट-छांटकर भाजपाई खराब और अधूरे सड़क निर्माण के तथ्य को छिपाने के लिए प्रचारित-प्रसारित कर रहे हैं। भाजपा के शासन में आने के बाद इनके निर्माण को रद्द करके केवल व्हीआईपी सुविधाओं वाले सड़कों का निर्माण किया जा रहा है, जो बेहद खेदजनक है। भाजपा को आम जनता की परवाह नहीं है।

सात दिन में बने सड़क नहीं तो करेंगे चक्काजाम

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने नावापारा चौक पर पूर्व महापौर के साथ हुए दुर्व्यवहार को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की निगम क्षेत्र में होने वाले निर्माण कार्य के लिए कांग्रेस द्वारा गठित निगरानी दल के प्रमुख हैं। नवापारा चौक पर सड़क के निर्माण पर हो रहे खानापूर्ति को लेकर पूरी पार्टी उनके निर्णय के साथ खड़ी है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा है कि निगम 7 दिन के भीतर नावापारा चौक के साथ ही शहर के अन्य सड़कों का मरम्मत अगर नहीं करेगी तो नावापारा चौक को प्रतीक बनाकर कांग्रेस बड़ा आन्दोलन करने को बाध्य होगी।

एसआईआर की प्रक्रिया में मृत या अयोग्य व्यक्तियों का फॉर्म जमा करना दंडनीय

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य 4 नवंबर से प्रारंभ हो चुका है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार प्रदेश भर में निर्वाचकों को गणना प्रपत्र का वितरण लगभग पूरा कर लिया गया है, इन प्रपत्रों के संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य तेजी से जारी है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है कि किसी मृत व्यक्ति, ऐसे व्यक्ति जो अब भारतीय नागरिक नहीं हैं, या ऐसे मतदाता जिनका नाम एक से अधिक स्थानों पर सूचीबद्ध है और वे एक से अधिक स्थानों के लिए गणना प्रपत्र जमा करते हैं, उनके संबंध में गणना प्रपत्र भरना या गलत घोषणा करना एक दंडनीय अपराध है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत गलत जानकारी देना, तथ्य छिपाना या भ्रामक घोषणा करना दंडनीय माना गया है, इसके लिए कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी से अनुरोध किया है कि वे पूरी पारदर्शिता के साथ सही जानकारी उपलब्ध कराएं और पुनरीक्षण की प्रक्रिया में सहयोग करें, ताकि एक जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाया जा सके।

नवीन फोटो अनिवार्य नहीं, भ्रांतियों से दूर रहने की अपील

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं का नया फोटो उपलब्ध कराने को लेकर फैल रही गलत फहमियों पर दिशा-निर्देश जारी किया है। आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत बूथ लेवल अधिकारी 4 दिसंबर तक घर-घर जाकर मतदाताओं से विधिवत भरा हुआ गणना पत्रक प्राप्त करेंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि मतदाताओं को अपना नया फोटो देना अनिवार्य नहीं है। केवल वही मतदाता अपना नवीन फोटो दे सकते हैं जिनका फोटो धुंधला, अस्पष्ट हो या वे अपने वर्तमान फोटो से संतुष्ट न हों। ऐसी स्थिति में मतदाता स्वयं अपना नवीन फोटो उपलब्ध करा सकते हैं। बीएलओ के पास सीधे बीएलओ ऐप के माध्यम से फोटो खींचकर अपलोड करने की भी सुविधा है। इसके साथ ही निर्देश दिए गए हैं कि सभी ईआरओ व बीएलओ को उक्त जानकारी से अवगत कराया जाए तथा जिला स्तर पर सभी राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित कर वास्तविक स्थिति की जानकारी प्रदान की जाए।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 दिसम्बर को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 13 दिसम्बर, शनिवार को आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत के सफलतापूर्वक सम्पादन हेतु जिले में विभिन्न खंडपीठों की स्थापना की गई है। इसके लिए कलेक्टर, अपर कलेक्टर, नजूल अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (रा.), तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार पीठासीन अधिकारी होंगे, अपर कलेक्टर सरगुजा अमृत लाल ध्रुव नोडल अधिकारी होंगे। इसके लिए सरगुजा जिले के विभिन्न न्यायालय कक्षों में 24 खंडपीठें गठित की गई हैं।

कलेक्टर जनदर्शन में छात्र बदरी को मिला ऑन-द-स्पॉट एडमिशन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें प्रस्तुत कीं। कलेक्टर विलास भोसकर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। जनदर्शन के दौरान ग्राम केपी लुण्ड्रा निवासी छात्र बदरी, पिता स्व. रूपचंद गिरी अपनी दादी बुधवारी गिरी के साथ उपस्थित हुआ। छात्र ने स्कूल एवं छात्रावास में प्रवेश के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश झा को छात्र के स्कूल एवं छात्रावास में प्रवेश की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। कलेक्टर की पहल पर छात्र बदरी का सेजस स्कूल गांधीनगर एवं गांधीनगर छात्रावास में मौके पर ही ऑन-द-स्पॉट एडमिशन कराया गया। छात्र एवं उनके स्वजन ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कलेक्टर एवं शिक्षा विभाग का आभार प्रकट किया। जनदर्शन में जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, अमृत लाल ध्रुव, नगर निगम कमिश्नर डी.एन. कश्यप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती के संबंध में अनन्तिम योग्यता क्रम सूची जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बाल विकास परियोजना अंबिकापुर (ग्रामीण) के परियोजना अधिकारी ने बताया कि आंगनबाड़ी सहायिका के एक पद पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे। निर्धारित समय सीमा पर प्राप्त समस्त आवेदन पत्रों को आवश्यक कार्रवाई व परियोजना हेतु गठित मूल्यांकन समिति के द्वारा परीक्षण उपरांत आवेदिकाओं द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर अनन्तिम योग्यता क्रम सूची निर्धारित प्रारूप में मूल्यांकन समिति के निर्देशानुसार प्रकाशित की गई है। उन्होंने बताया कि उक्त सूची के संबंध में या उसमें किसी प्रविष्टि, अंक में कोई दावा या आपत्ति होने पर 30 नवम्बर तक (कार्य दिवस) में बाल विकास परियोजना अंबिकापुर (ग्रामीण) में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते हैं। दावा आपत्ति के साथ अन्य दस्तावेज जो मूल आवेदन पत्र में संलग्न नहीं है अथवा त्रुटिपूर्ण है स्वीकार्य नहीं होगा। समयावधि उपरांत किसी दावा आपत्ति को स्वीकार्य नहीं किया जाएगा।

श्री सत्य साई बाबा का 100वां जन्म शताब्दी महोत्सव हर्षोल्लास मनाया गया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आध्यात्मिक गुरु और समाजसेवी श्री सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में वनवासी कल्याण आश्रम अंबिकापुर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सामूहिक वेदपाठ, भजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं केक काटा गया। अंत में बाबा के 100वें जन्मदिवस पर विशेष रूप से 100 दियों से महामंगल आरती की गई।

श्री सत्य साई सेवा समिति के अध्यक्ष जयेश वर्मा ने बताया कि आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्ती नामक गांव में भगवान श्री सत्य साई बाबा का जन्म 23 नवम्बर 1926 को हुआ था। बाबा ने अपने जीवन काल में आध्यात्म और एकता का संदेश दिया और 'मानव सेवा ही माधव सेवा है' का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। संरक्षक संजीव गणेशपुरकर द्वारा श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। के.डी. दुबे द्वारा सभी को सत्य साईं बाबा के नि:शुल्क हार्ट अस्पतालों की जानकारी दी गई। आश्रम के सदस्य अमन सिंह द्वारा आदिवासी समुदाय के बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु धन्यवाद दिया गया। संचालक रश्मि सैनी ने बताया कि विश्व के 142 देशों में बाबा का जन्मदिन मनाया जा रहा है, सत्य साईं बाबा के जन्म स्थान पुट्टपर्ती में भी भव्य आयोजन हुआ, जहां भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित देश की तमाम हस्तियों ने हिस्सा लिया। स्थानीय वनवासी कल्याण आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों नृत्य, गायन एवं भजन में हिस्सा लिया। अंत में सभी भक्तों को भोजन, भंडारा वितरित किया गया। इस दौरान सत्य साईं सेवा समिति के डॉ. व्ही.के. वर्मा, संजीव गणेशपुरकर, विजय सालुके, प्रदीप श्रीवास्तव, जगदीश गुप्ता, शांति वर्मा, रेखा गणेशपुरकर, नूतन श्रीवास्तव, जयेश वर्मा, के.डी. दुबे, प्रीती सालुंके, सरोज सार्वे, मोनिका शर्मा, सुभद्रा शर्मा, शोभना शर्मा, रश्मि सैनी, मधुलिका, नीलम, दीपक सांवरगांवकर, लेजर अस्पताल के संचालक डॉ. योगेन्द्र सिंह गहरवार, विनय मिश्रा, विवेक प्रताप सिंह रिंकु, डॉ. प्रवीण दुबे, अंतिमा, कुंती पैंकरा, प्रीति खंपरिया, नवीन, अनिल शर्मा, वनवासी कल्याण आश्रम अधीक्षक बलवंत साय, अमन सिंह, मानमति, विकास, सुरेश, रुपेश एवं श्री सत्य साईं सेवा समिति के अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

पूर्व ईनामी नक्सली ने कहा-10 हजार रुपये दो तब बनेगी सड़क

सड़क निर्माण करा रहे व्यक्ति को गोली मारने की धमकी, केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सड़क निर्माण कार्य के दौरान पूर्व ईनामी नक्सली महेंद्र पैकरा के द्वारा गाली-गलौज करते हुए गोली मारने की धमकी देते हुए पैसे की मांग की गई। मामले में शंकरगढ़ थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। बलरामपुर जिला के शंकरगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम पोड़ीखुर्द निवासी अभय सिंह मार्को ने पुलिस को बताया है कि 21 नवम्बर को दोपहर 12 बजे वह अपने घर जाने वाले सार्वजनिक सड़क का जे.सी.बी. से मरम्मत करा रहा था, तभी पूर्व ईनामी नक्सली महेन्द्र पैकरा पिता बीरबल पैकरा उसके पास आकर कहने लगा कि तुम गांव के पैसे वाले आदमी हो। इसके बाद वह पांच साल नक्सली रहने का हवाला देते हुए खुद के पास दो छोटा-बड़ा बंदूक होने की बात कहते हुए धमकी भरे लहजे में 10 हजार रुपये देने के बाद ही सड़क का काम करने के लिए कहा, और पैसा नहीं देने पर गोली मार देने की धमकी दी। रुपये देने से इन्कार करने पर पूर्व नक्सली गालीगलौज करने लगा। अभय सिंह ने पुलिस को बताया है कि महेन्द्र पैकरा पूर्व में भी भरमार बंदूक दिखाकर रुपये की मांग किया था, और रुपये नहीं देने पर रात में रास्ता रोक कर जानलेवा हमला उसके ऊपर कर चुका है। इसकी रिपोर्ट वह थाना शंकरगढ़ में वर्ष 2013 में दर्ज कराया था। घटना के समय मौके पर पंच, जे.सी.बी. ऑपरेटर व एक ग्रामीण मौजूद थे, जो नक्सली गतिविधियों के थमने के बाद गांव के महेन्द्र पैकरा का दुस्साहस देखकर भौचक रह गए। रिपोर्ट पर पुलिस आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर ली है, और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

केरता महान-3 में काम करने वाले व्यक्ति की मौत, घर से वापस लौटा था

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रतापपुर थाना क्षेत्र के केरता महान-3 में वेल्डर के पद पर काम करने वाले एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों मौत हो गई। मृतक के साला मिन बहादुर ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि उसके जीजा चित्रा बहादुर करीब 3 साल से महान-3 में वेल्डर का काम कर रहे थे। लगभग दो माह पहले वे अपने मूल निवास सरूमारानी, किचिमौर गए थे, और 23 नवम्बर को शाम करीब 4 बजे वापस केरता आने के बाद अपने रूम में आए थे, इस दौरान वह ड्यूटी कर रहा था। शाम करीब 6.15 बजे केरता महान का स्टाफ उसे बताया कि उसके जीजा का तबियत खराब है, और वे अपने कमरे में बेहोशी की हालत में पड़े हुए हैं, बातचीत नहीं कर रहे हैं। इसकी जानकारी मिलने पर जब वह रूम में गया और जीजा को आवाज लगाया तो वे कुछ जवाब नहीं दिए। कंपनी के वाहन से उन्हें होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर ने चेक करके 23 नवम्बर को शाम 7 बजे मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना वा मोबाइल फोन से जीजा चित्रा बहादुर के स्वजन को दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में राजनैतिक दलों की बैठक सम्पन्न

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। प्रथम चरण में गणना

पत्रक वितरण, संकलन के साथ-साथ गणना पत्रक को ऑनलाईन किये जाने का कार्य बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मतदान केन्द्र स्तर पर किया जा रहा है। जिसे 4 दिसम्बर तक पूर्ण किया जाना है। गणना पत्रक में मतदाताओं को वर्ष 2003 की मतदाता सूची में स्वयं का नाम तथा स्वयं का नाम न होने पर माता-पिता, दादा-दादी के नाम का विवरण के साथ राज्य जिला, विधानसभा क्रमांक व नाम, मतदान केन्द्र तथा सरल क्रमांक दिया जाना है। किसी प्रकार के अन्य दस्तावेज नहीं दिया जाना है। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा गणना पत्रक का वितरण के साथ गणना पत्रक को भरने एवं ऑनलाईन डिजिटाईजेशन कार्य किया जा रहा है। उन्होंने राजनीतिक दलों से भी अनुरोध किया कि बूथ लेवल एजेंट के माध्यम से सुनिश्चित करें कि किसी मतदाता को गणना पत्रक नहीं मिल पाया हो तो इसकी सूचना संबंधित तहसीलदार को करायें।

9 दिसम्बर को किया जाएगा मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन

कलेक्टर ने कहा कि 4 दिसम्बर तक सारे गणना पत्रक को ऑनलाईन डिजिटाईज करने के उपरांत 9 दिसम्बर को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा तथा 9 दिसम्बर से 8 जनवरी तक दावा आपत्ति प्राप्त की जाएगी। दावा आपत्ति में ऐसे मतदाता जिन्होने किसी कारणवश अपना गणना पत्रक जमा नहीं कर पाये हों, ऐसे मतदाता जिन्होने अपना 2003 का स्वयं से अथवा अपने माता-पिता, दादा-दादी से मैपिंग नहीं दिखाया हो, मृत, स्थायी रूप से पलायित, एक से अधिक स्थान पर पंजीकृत मतदाता जिनका गणना पत्रक जमा नहीं होगा अथवा मृत/शिफ्टेड/डुप्लीकेट आदि के विकल्प के साथ ऑनलाइन किया जाएगा और सभी को नोटस जारी किया जाएगा तथा सत्यापन के बाद अंतिम रूप से नाम जोड़ने तथा विलोपित करने की कार्यवाही की जाएगी। मतदाता सूची के दावा आपत्ति के समय नये मतदाता जोड़ने, स्थानांतरण, विलोपन के भी फार्म स्वीकार किये जा सकेंगें। ऐसे मतदाता जिनकी आयु 01 अक्टूबर 2026 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकें हैं उनका अग्रिम आवेदन लिया जाएगा।

7 फरवरी 2026 को होगा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

9 दिसम्बर से 31 जनवरी के मध्य सत्यापन एवं निराकरण की जाएगी। सभी निराकरण के उपरांत 7 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जा सकेगा। भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष पुनरीक्षण के संबंध में स्पष्ट किया है मतदाता गणना पत्रक में फोटो प्रदान किया जाना अथवा अपलोड किया जाना अनिवार्य नहीं है। अगर मतदाता की मतदाता सूची की फोटो गलत है, धुंधली है तो उस स्थिति में गणना पत्रक में मतदाताओं द्वारा फोटो प्रदान की जानी है। कलेक्टर ने बताया कि सभी राजनीतिक दल तहसील स्तर से अपने पर्याप्त मात्रा में फार्म 6 प्राप्त कर सकतें है। प्रत्येक बीएलए भी मतदान केन्द्र में फार्म 6, गणना पत्रक संकलन में सहयोग कर सकते हैं।

भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल का करें उपयोग मतदाता सूची डाउनलोड करने साथ ही गणना पत्रक ऑनलाईन भरने की सुविधा

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल वोटर्स डॉट ईसीआई डॉट जीओव्ही डॉट इन पर सभी राज्यों की पिछले एसआईआर की मतदाता सूची पीडीएफ फार्म में उपलब्ध है, संबंधित मतदाता अपने क्षेत्र की मतदाता सूची बिना लॉगिन के मतदाता सूची डाउनलोड कर अपना अथवा अपने परिवार के सदस्य का नाम ढूंढ सकतें हैं। साथ ही मतदाता वोटर्स डॉट ईसीआई डॉट जीओव्ही डॉट इन पोर्टल का उपयोग कर अपना अथवा परिवारजनों का गणना पत्रक ऑनलाईन भी भर सकतें हैं। इस दौरान बैठक में उपस्थिति राजनैतिक दलों ने अपने शंकाओं का समाधान भी लिया और एसआईआर के संबंध में अपने अपने विचार भी रखे। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चेतन बोरघरिया, विभिन्न राजनैतिक दलों के अध्यक्ष, सदस्य, प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एसईसीएल प्रबंधन 24 अवैध कब्जाधारियों को भेजा नोटिस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे अवैध कब्जों के मसले पर प्रबंधन ने पुन: नोटिस जारी कर दिया है। सोमवार को संपदा अधिकारी द्वारा जारी बेदखली नोटिसों को सुरक्षा विभाग की टीम ने विशेष अभियान चलाकर 24 अवैध कब्जाधारियों तक पहुंचाया। अभियान के दौरान सुरक्षा विभाग की टीम सुबह से ही कॉलोनियों में सक्रिय रही। जहां घर खुले मिले, वहां दस्तावेज सीधे कब्जाधारियों को सौंपे गए, लेकिन जिन घरों में ताला बंद मिला, वहां निर्धारित नियमों के मुताबिक नोटिस को घर के मुख्य दरवाजे पर चस्पा कर दिया गया। अधिकारियों ने कॉलोनी की गलियों में घूमकर घरों की वास्तविक स्थिति, निवासियों की मौजूदगी और कब्जों की प्रकृति का भी बारीकी से अध्ययन किया। ज्ञात हो कि एसईसीएल की आवासीय कॉलोनियों में वर्षों से कई ऐसे लोग रह रहे हैं जो न तो कंपनी के कर्मचारी हैं, न ही किसी अधिकृत अनुमति के तहत घरों में रुके हुए हैं। प्रबंधन द्वारा पूर्व में भी कई दौर की मौखिक व लिखित चेतावनी दे चुका है, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। एसईसीएल के अधिकारियों का कहना है कि कंपनी की संपत्ति सिर्फ अधिकृत कर्मचारियों और जरूरतमंद परिवारों के लिए है।

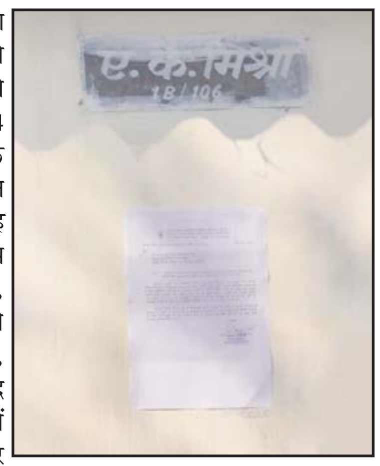

अवैध कब्जे न सिर्फ आवास व्यवस्था में अवरोध उत्पन्न करते हैं बल्कि रखरखाव, सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर भी गंभीर चुनौती पैदा करते हैं। यदि कब्जाधारी निर्धारित अवधि में घर खाली नहीं करते, तो कानूनी कार्यवाही कर बलपूर्वक बेदखली भी की जा सकती है। प्रबंधन का कहना है कि यह कार्रवाई एक बार की नहीं है। क्षेत्र में किए गए सर्वे में कई और घर अवैध कब्जे की श्रेणी में पाए गए हैं, जिन पर आने वाले चरणों में कार्रवाई हो सकती है।

लटोरी विद्युत उपकेन्द्र में 5 एमवीए ट्रांसफार्मर स्थापित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत ग्रामीण अंचलों में समुचित वोल्टेज पर निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उपकेन्द्रों की क्षमता वृद्धि का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है।

इसी क्रम में उपसंभाग बिश्रामपुर के ग्राम पंचायत लटोरी स्थित 33/11 केवी उपकेन्द्र में 48.34 लाख रुपए की लागत से 3.15 एमवीए ट्रांसफार्मर को बदलकर 5 एमवीए का नया पॉवर ट्रांसफार्मर गत दिनों स्थापित एवं ऊर्जीकृत किया गया। नई क्षमता वृद्धि के बाद लटोरी उपकेन्द्र से जुड़े ग्राम पंचायत लटोरी, द्वारिकानगर, सोनवाही, महेशपुर, अर्जुननगर, करवां, हीराडबरी, संबलपुर सहित लगभग 3200 उपभोक्ताओं को अब बेहतर वोल्टेज और गुणवत्तापूर्ण बिजली की सुविधा मिलेगी। सुरजपुर कार्यपालन अभियंता बसंत सोम ने बताया कि पुराना 3.15 एमवीए ट्रांसफार्मर अक्सर ओवरलोड होने से लो वोल्टेज की समस्या उत्पन्न होती थी। नए 5 एमवीए ट्रांसफार्मर के लगने से ग्रामीण क्षेत्रों को इससे बड़ी राहत मिलेगी। इस कार्य को सफल बनाने में मुख्य अभियंता यशवंत शिलेदार तथा अधीक्षण अभियंता राजेश लकड़ा ने पूरी तकनीकी टीम कार्यपालन अभियंता बसंत सोम, मुकेश ध्रुव, नवजोत सिंह आयाम, सहायक अभियंता अनुरंजन कूजुर, प्रतीक बारा, कनिष्ठ अभियंता शादाब अहमद, शाजिद शेख व अन्य सक्रिय रहे।

सेंट्रल बैंक सतपता शाखा के विद्युत मीटर में शॉर्ट सर्किट

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत शिवनंदनपुर में एनएच किनारे स्थित सेंट्रल बैंक शाखा सतपता में आज सुबह शॉर्ट सर्किट होने से अफरा तफरी मच गई थी। तत्काल स्विच ऑफ करके बैंक प्रबंधन द्वारा बड़ी अनहोनी को टाल दिया गया।

गौरतलब है कि सोमवार की सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 किनारे नगर पंचायत शिवनंदनपुर में स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा सतपता में जैसे ही काम काज शुरू किया गया। तभी कुछ समय बाद अचानक बैंक के विद्युत मीटर में शॉर्ट सर्किट हो गई और धुवां निकलने लगा। जिस पर बैंक प्रबंधन द्वारा तत्काल विद्युत की स्वीच को बंद कर दिया गया। जिससे यहां पर एक बड़ी अनहोनी टल गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बैंक के विद्युत मीटर में आग लगने से धुवां निकलता देख उपस्थित लोगों में अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गई लेकिन स्थिति को तत्काल सामान्य कर लिया गया।

समिति कर्मचारियों की हड़ताल खत्म होते ही जयनगर में हुई धान की बोहनी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। लगभग दो सप्ताह तक ठप पड़े धान खरीदी केंद्रों में आखिरकार एक बार फिर रौनक लौट आई है। समिति प्रबंधकों और कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त होने के बाद सोमवार को जयनगर सहकारी समिति में धान खरीदी का शुभारंभ विधिवत तरीके से किया गया।गौरतलब है कि शासन के निर्देशानुसार 15 नवंबर से धान खरीदी का कार्य शुरू होना था। लेकिन उससे पहले 3 नवंबर से ही समिति प्रबंधकों व कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी थी। हड़ताल के कारण धान खरीदी केंद्रों में काम लगभग ठप पड़ गया था। प्रशासन ने वैकल्पिक समाधान के रूप में नई अस्थायी नियुक्तियां तो कीं लेकिन व्यवस्थाएं संतोषजनक न होने से खरीदी कार्य में दिक्कतें आ रही थीं। दो दिन पूर्व समिति कर्मचारियों द्वारा हड़ताल समाप्त करने की घोषणा के बाद सोमवार सुबह जयनगर समिति में खरीदी की पहली बोहनी की गई।जयनगर समिति में सुबह से ही किसानों की आवाजाही शुरू हो गई थी। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके बाद समिति प्रबंधक श्यामलाल प्रजापति और ऑपरेटर कमल सिंह की देखरेख में खरीदी कार्य शुरू किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अजय गोयल ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों से अपने वादे के मुताबिक प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी कर रही है साथ ही किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान उनके खाते में सीधे किया जा रहा है। राज्य सरकार सभी वर्गों की चिंता करते हुए विकास कार्यों को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि किसान समितियों में अपने धान को बेचकर मेहनताना प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने समिति प्रबंधक को निर्देशित किया कि किसी भी

किसान को यहां पर दिक्कतें नहीं होनी चाहिए।

इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े, संचालन समिति अध्यक्ष देवधन राम बिंझिया, पूर्व अध्यक्ष जुगेंद्र सिंह, रूपनारायण राजवाड़े, सुरेंद्र राजवाड़े, सत्येंद्र राजवाड़े, शिव नारायण, नर्वदेश्वर सिंह, वेद प्रकाश मिश्र, देवशरण सिंह, कृष्णपाल बिंझिया, देवेंद्र सोनवानी, ब्रह्मदेव, एकरी देवी सहित अनेक किसान और समिति कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिलफिली में एनएच किनारे खड़े ट्रक से डीजल चोरी, जुर्म दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एनएच 43 पर डीजल चोर गिरोह के सक्रिय होने से वाहन स्वामियों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। गौरतलब है कि सोमवार को अल सुबह कोयला लोडकर उड़ीसा जा रहे ट्रक से डीजल चोर गिरोह के सदस्यों ने डीजल टंकी का ताला तोड़कर साढ़े तीन सौ लीटर डीजल चोरी कर फरार हो गए हैं। जयनगर पुलिस ने वाहन स्वामी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपितों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर आरोपियों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।जयनगर थाने में दर्ज रिपोर्ट में ट्रक क्रमांक सीजी 15 ईसी 1084 के स्वामी सुनील कुमार गुप्ता पिता विनोद कुमार निवासी खजुरी दुद्धी जिला सोनभद्र उत्तर प्रदेश ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि उसके ट्रक में मध्यप्रदेश के अनूपपुर से कोयला लोडकर बिश्रामपुर अंबिकापुर होते हुए उड़ीसा जाने निकला था। रविवार की रात में धुंध होने के कारण वाहन चालक ने दसवीं बटालियन सिलफिली के पास सड़क किनारे वाहन को खड़ा कर आराम करने लगा। इसी दौरान मौका पाकर डीजल चोर गिरोह के सदस्यों ने कोयला लोड वाहन के टंकी का ताला तोड़कर करीब साढ़े तीन सौ लीटर डीजल निकाल लिया। चोरी गए डीजल की कीमत करीब तैंतीस हजार रुपए बताई जा रही है। रिपोर्ट पर पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। ठंड के प्रभाव बढ़ने के साथ ही डीजल चोर गिरोह की सक्रियता बढ़ने से वाहन स्वामी परेशान हैं। बताया जा है कि दीगर प्रांत के गिरोह द्वारा चार पहिया वाहनों से सड़क पर खड़ी गाड़ियों की रेकी की जाती है और फिर आसानी से डीजल चोरी की वारदात को अंजाम दे भाग निकलते हैं।

नमूना तैयारी कक्ष कुम्दा साइडिंग में गुणवत्ता पखवाड़े पर दी गई जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। गुणवत्ता सुधार पखवाड़ा में मद्देनजर कोयला नमूना तैयारी कक्ष कुम्दा साइडिंग बिश्रामपुर क्षेत्र में सैंपल सहायक, सैंपल सुपरवाइज़र, तकनीकी निरीक्षक, कार्यरत अन्य कर्मियों से गुणवत्ता सुधार के संबंध में चर्चा किया गया। क्षेत्रीय गुणवत्ता प्रबंधक अमरेंद्र नारायण सिंह द्वारा गुणवत्तायुक्त कोयला के प्रेषण के फायदा से उपस्थित कोल कर्मचारियों को अवगत कराकर गुणवत्ता के महत्व को दुहराया गया। यहां पर कार्य को बेहतर तरीके से संपादित कर क्षेत्र का नाम रोशन करने भी आह्वान किया गया।

सरगुजा संभागायुक्त ने राजपुर एवं शंकरगढ़ के विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

विशेष गहन पुनरीक्षण अंतर्गत कार्यों को पारदर्शिता के साथ समय पर पूरा करने के दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने रविवार को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखण्ड राजपुर एवं शंकरगढ़ के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र 08 सामरी के अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और एसआईआर कार्य का अवलोकन कर सभी बीएलओ को गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। कमिश्नर श्री दुग्गा ने सबसे पहले ग्राम सिधमा के तीन मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

इस दौरान एप के माध्यम से किए जा रहे डिजिटाइजेशन प्रक्रिया की जानकारी ली और गणना पत्रक को त्रुटि पूर्ण सही तरीके से भरकर शीघ्र प्राप्त कर समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम चांची और बुढ़ाबगीचा में एसाईआर कार्य की प्रगति की

सराहना करते हुए बीएलओ, संबंधित अधिकारियों की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। राजपुर और परसागुड़ी के तीन मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते समय आयुक्त ने कार्य में प्रगति में लाने के निर्देश दिए । तत्पश्चात संभागायुक्त श्री दुग्गा ने विकासखंड शंकरगढ़ अंतर्गत मतदान केंद्र कमारी, दोहना, सरगंवा और डीपाडीह में चल रहे एसआईआर कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने बीएलओ, संबंधित अधिकारी, ग्राम सचिव, सुपरवाइजर सहित निर्वाचन कार्य में लगे कर्मचारियों से संवाद कर प्रगति लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने समस्त अधिकारियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को पूर्ण पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न करने के निर्देश दिए। ताकि एसआईआर कार्य समय पर पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि एसआईआर कार्य में शिथिलता किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने टीम भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों की सराहना करते हुए अन्य केंद्रों को भी उसी गति से कार्य करने निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर श्री देवेंद्र प्रधान, शंकरगढ़ श्री अनमोल विवेक टोप्पो, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जनपद सीईओ, बीएलओ, अविहित अधिकारी एवं बीएलओ सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

धूमधाम से बनाया गया श्री सत्य साई बाबा का जन्मोत्सव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। श्री सत्य साई सेवा समिति बिश्रामपुर द्वारा श्री सत्य साई बाबा जी का जन्मोत्सव बाल विकास के बच्चों द्वारा केक काटकर मनाया गया। श्री सत्य साई बाबा के जन्मोत्सव के अवसर पर साई धाम में विविध कार्यक्रम संपन्न हुए। प्रात: 5 बजे से प्रभात फेरी, सायंकाल साईं धाम में 5.30 से 6 बजे तक वेद पाठ, 6 से 6.30 बजे तक संध्या भजन, शाम 6.30 बजे से 7.30 बजे तक सत्य, अहिंसा एवं शांति ग्रुप के बच्चों द्वारा नैतिक, सांस्कृतिक,मानवीय एवं राष्ट्रीय मूल्यों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। बाल विकास गुरुओं द्वारा बच्चों को पारितोषिक वितरण किया गया। श्री सत्य साई बाबा के जन्मोत्सव के अवसर पर साई धाम के संयोजक जीएस तिवारी द्वारा श्री सत्य साई बाबा के जीवनी पर विस्तृत जानकारी दी गई। महेश गुप्ता मीडिया प्रभारी द्वारा शताब्दी वर्ष में किए जा रहे कार्यक्रम एवं सेवा प्रकल्पों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला सेवा प्रभारी महेंद्र लांडे द्वारा किया गया व आभार प्रदर्शन समिति के वरिष्ठ सदस्य गोविंद स्वाई ने किया। महा मंगल आरती एवं भोग प्रसाद वितरण पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया। इस दौरान काफी संख्या में साई भक्त एवं बाल विकास के बच्चे उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आबकारी उप निरीक्षक पद पर राकेश कुमार तिर्की चयनित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बलरामपुर खदान ने कार्यरत ग्राम पंचायत करमपुर निवासी रामकिशुन के पुत्र राकेश कुमार तिर्की ने अपने कठिन परिश्रम से छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर

आबकारी उप निरीक्षक पद पर चयनित हुए हैं। राकेश कुमार तिर्की के सीजीपीएससी में चयनित होने से कोयलांचल वासियों में हर्ष व्याप्त है।

रंजिश पर युवक के हाथ का अंगुली काटकर किया अलग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। रंजिश पर एक युवक के हाथ के अंगुली को दांत से काटकर अलग कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। जयनगर पुलिस ने बताया कि प्रार्थी गौतम वर्मन पिता गौरा बर्मन 28 वर्ष निवासी ग्राम पंचायत गणेशपुर बंगालीपारा बीती रात करीब 10 बजे अपने दोस्त कृष्ण स्वर्णकार निवासी रायपुर के साथ पुराने घर से देवेन्द्र सिंह के मोटर सायकिल से अपने नया घर में जा रहा था। इस दौरान में दोनों मित्र बात करते जा रहे थे। तभी सुदन सेन जो अपने घर के पास खड़ा था ने बोला कि तुम लोग मुझे गाली दे रहे हो फिर मैं उन्हें बोला कि मैं आपको नहीं बोल रहा हूं, मेरा परिवारिक मामला है। फिर दोनों मित्र घर चले गए। इसके बाद सुदन प्रार्थी के घर आकर विवाद करने लगा। परिजन द्वारा समझाइश देकर वापस भेज दिया गया। फिर कुछ देर बाद उसके बडे पिताजी का लड़का विकास वर्मन आकर पूछा कि क्या विवाद हो रहा था। इसके बाद प्रार्थी के पिताजी गौरा वर्मन का नाम लेकर गाली गलौज करने लगा। साथ ही आरोपी विकास वर्मन ने प्रार्थी को जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट कर प्रार्थी के दाहिना हाथ के अंगूठा को दांत से कांटकर अलग कर दिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर जयनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जुर्म दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

निजी स्कूल के स्टडी रूम में छात्रा की संदिग्ध मौत – सुसाइड नोट में प्राचार्य पर आरोप

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर : थाना बगीचा क्षेत्र के एक निजी हायर सेकेंडरी स्कूल में नौवीं कक्षा की छात्रा द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। घटना रविवार को उस वक्त सामने आई जब छात्रा स्कूल के स्टडी रूम में मृत अवस्था में पाई गई। सूचना मिलते ही बगीचा पुलिस और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

घटनास्थल से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नोट में छात्रा ने स्कूल के प्राचार्य पर अनुचित व्यवहार और बैड-टच के आरोप लगाए हैं। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सुसाइड नोट की सामग्री का आधिकारिक खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही किया जाएगा।

प्राचार्य हिरासत में, पूछताछ जारी

सुसाइड नोट में कथित तौर पर लगाए गए आरोपों के आधार पर पुलिस ने स्कूल के प्राचार्य को हिरासत में ले लिया है। उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

छात्रावास संचालन पर सवाल

मृतिका पत्थलगांव के हीरावापारा गांव की रहने वाली थी और स्कूल के ही छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थी। स्थानीय स्त्रोतों के अनुसार, ग्रामीणों की एक समिति द्वारा संचालित यह स्कूल छात्रावास चलाने की अधिकृत अनुमति नहीं रखता, जिससे संस्था की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

पुलिस जांच तेज, कई बिंदुओं पर पूछताछ

एफएसएल टीम द्वारा साक्ष्य जुटाए जा चुके हैं और पुलिस छात्रा के परिवार, सहपाठियों तथा स्कूल प्रबंधन से विस्तृत पूछताछ कर रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि–

मामला अत्यंत संवेदनशील है। सुसाइड नोट की वास्तविक सामग्री की जांच की जा रही है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले सभी तथ्य जुटाए जा रहे हैं।

आवारा कुत्तों से सुरक्षा के लिए स्कूलों में नई व्यवस्था लागू

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । सुप्रीम कोर्ट द्वारा Suo Moto Writ Petition (Civil) No. 05/2025 में जारी दिशा निदेशों के बाद शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर नए आदेश जारी किए हैं। यह आदेश छत्तीसगढ़ शासन के पशुधन विकास विभाग द्वारा 13 नवंबर 2025 को जारी पत्र के आधार पर लागू किए गए हैं। शिक्षा विभाग के अनुसार अब प्रत्येक स्कूल के प्राचार्य या संस्था प्रमुख को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। नोडल अधिकारी को स्कूल परिसर या आसपास आवारा कुत्ते दिखने पर तुरंत संबंधित ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत या नगर निगम के डॉग क्रैचर नोडल अधिकारी को सूचना देनी होगी। स्कूलों को परिसर में कुत्तों का प्रवेश रोकने के लिए अवरोधक इंतजाम भी अनिवार्य रूप से करने होंगे। यदि किसी बच्चे को आवारा कुत्ता काटता है, तो स्कूल प्रशासन को बिना देरी के बच्चे को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाना होगा ताकि प्राथमिक उपचार तुरंत मिल सके। शिक्षा विभाग ने कहा कि इन निदेशों का उद्देश्य स्कूलों को बच्चों के लिए सुरक्षित और भय-मुक्त वातावरण प्रदान करना है। विभाग ने सभी जिलों के अधिकारियों, बीईओ, बीआरसी, सीआरसी और स्कूल प्रबंधन समितियों से अपील की है कि वे दिशानिदेशों का सख्ती से पालन करें और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

धान खरीदी तिहार सुचारू और पारदर्शी, भिट्ठी कला के किसानों ने जताया विश्वास

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर, - प्रदेश में इस वर्ष धान खरीदी तिहार पूरी तरह सुगमता, पारदर्शिता और सुव्यवस्था के साथ संचालित हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशन में राज्य के सभी धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित किए जाने से किसानों में उत्साह और विश्वास का माहौल है। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत भिट्ठी कला स्थित आदिमजाति सहकारी मर्यादित समिति मेंड्राकला में धान विक्रय करने पहुँचे किसान इस वर्ष की खरीदी व्यवस्था से पूरी तरह संतुष्ट दिखाई दिए। किसानों ने बताया कि खरीदी प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुचारू, सुविधाजनक और पारदर्शी है। किसान बनकेश्वर राम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार द्वारा निर्धारित 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान मूल्य से किसानों को सीधा आर्थिक लाभ हो रहा है। उन्होंने बताया कि उपार्जन केंद्र में तुलाई, नमी परीक्षण और अन्य प्रक्रियाएँ बिना किसी कठिनाई के पूरी हुईं, जिससे खरीदी का अनुभव सहज रहा। उपार्जन केंद्र में उपलब्ध सुव्यवस्थित व्यवस्था देखकर किसान बनकेश्वर राम ने राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि शासन की किसान हितैषी योजनाएँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों—बारदाना उपलब्धता, पारदर्शी तुलाई, त्वरित भुगतान प्रणाली और लगातार निगरानी—ने किसानों के बीच प्रक्रिया के प्रति विश्वास को और अधिक मजबूत किया है।

सीएम साय ने किया हाउसिंग बोर्ड की आवासीय परियोजनाओं का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । मुख्यमंत्री साय ने रविववार को शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउण्ड में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय आवास मेले में छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड की 2060 करोड़ की आवासीय परियोजनाओं का शुभारंभ किया। यह 55 परियोजना राज्य के 26 जिलों में शुरू होंगी, जिनके माध्यम से 12 हजार से अधिक किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण मकानों का निर्माण किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने हाउसिंग बोर्ड के एआई चैट बॉट और पोर्टल का भी शुभारंभ किया। इसके माध्यम से उपभोक्ताओं को हाउसिंग बोर्ड की आवासीय परियोजनाओं की जानकारी सहजता से मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड की टीम बहुत बेहतर है। राज्य के लोगों को किफायती और गुणवत्तापूर्ण मकान उपलब्ध कराने के लिए नवाचार के साथ आगे बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने हाउसिंग बोर्ड के 790 करोड़ रूपए के कर्ज को अदा कर बोर्ड को कर्ज मुक्त कर दिया है ताकि बोर्ड बेहतर रणनीति के साथ काम करें। उन्होंने जरूरतमंदों एवं आवासहीनों को पक्का मकान दिए जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ही नहीं वरन पूरे देश में संचालित प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि 2 वर्षों में छत्तीसगढ़ राज्य में इस योजना के तहत 26 लाख लोगों को आवासों की मंजूरी दी गई। सबका आवास बन रहा है। पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए 32 हजार तथा बस्तर में आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ित परिवारों के लिए 15 हजार आवास की मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर राज्य स्तरीय आवास मेले में आवास बुकिंग का प्रमाण पत्र, हाउसिंग बोर्ड के उपभोक्ताओं को आवास की चाबी तथा फ्री होल्ड मकान का प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के कार्यों की सराहना की और कहा कि बोर्ड की वर्तमान टीम, हाउसिंग के क्षेत्र में अच्छा काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आवास मेले की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जब से मेला शुरू हुआ है रोड पर जाम लग गया है और टैफ्फिक व्यवस्था संभल नहीं रही है। उन्होंने राज्य में जरूरतमंद परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि इसके लिए उन्होंने बजट में 14 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया। डॉ. सिंह ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड की सभी परियोजनाओं को जिलों में अच्छा प्रतिसाद मिलेगा। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने हाउसिंग बोर्ड के काम-काज को बेहतर बनाने तथा उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लिए गए फैसलों के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड 790 करोड़ रूपए के कर्ज से मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि साल भर के भीतर हाउसिंग बोर्ड ने 672 करोड़ का बिजनेस किया है। लैंड डायवर्सन एवं फ्री होल्ड की रियायत सरकार ने देकर हाउसिंग बोर्ड और उपभोक्ताओं को राहत दी है। चौधरी ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड उपभोक्ताओं की डिमांड के आधार पर आवासीय परियोजनाओं के निर्माण का काम शुरू करेगा। कार्यक्रम को हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव ने भी सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि हाउसिंग बोर्ड राज्य के सभी जिलों में मकान का निर्माण करेगा। हम अगले चरण में सभी विधानसभा क्षेत्रों में भी आवासीय परियोजनाएं लॉन्च करेंगे। गौरतलब है कि बीटीआई ग्राउंड में यह राज्य स्तरीय आवास मेला 25 नवम्बर तक चलेगा। मेले के पहले दिन सुबह से ही मेला ग्राउंड में हाउसिंग बोर्ड की आवासीय परियोजनाओं की जानकारी लेने और आवास बुक कराने के लिए लोगों का हुजुम उमड़ पड़ा था। शंकर नगर टर्निंग प्वाइंट से खम्हारडीह जाने वाली रोड पर जाम की स्थिति निर्मित हो गई थी।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ व्यक्ति की मौत

संवाददाता

सरोजनीनगर, लखनऊ क सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक अज्ञात अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताते हैं कि शनिवार शाम करीब 6 बजे सरोजनी नगर के शांति नगर स्थित दीप गेस्ट हाउस के पास एक करीब 55 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति बेसुध हालत में पड़ा मिला। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना डायल 112 पर दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने उसे सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतक पंजाब प्रांत का रहने वाला है। उसका नाम लक्ष्मण था। कुछ दिनों पहले उसकी बहन उसे लेने आई थी, लेकिन वह उनके साथ घर नहीं गया। वह बीते करीब 6 वर्षों से यहां शांति नगर में सड़क किनारे फुटपाथ पर इधर-उधर रहने के साथ लोगों के छोटे-मोटे काम कर उनसे मिलने वाले रूपयों से आए दिन शराब पीता रहता था। वहीं पुलिस का कहना है कि मृतक कहां का रहने वाला है, इसकी कन्फर्म जानकारी नहीं हो पाई है। लेकिन स्थानीय लोगों से पता चला कि वह कई वर्षों से यहां घूमता रहता था। वह शराब का आदी था। शुरूआती जांच में शराब पीने से ही उसकी मौत होना पता चला है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद उसकी मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साथ ही उसके फोटो आसपास थानों में भेज कर उसकी पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान पर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

संवाददाता

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज के अमेठी मंडल में मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान को गति देने एवं बूथ स्तर पर संगठन को और मजबूत करने के उद्देश्य से आज भारतीय जनता पार्टी अमेठी मंडल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई बैठक में प्रमुख अतिथियों और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की तथा संगठन विस्तार एवं मतदाता सूची के शुद्धिकरण पर जोर दिया ।बैठक के मुख्य अतिथि लखनऊ जिला के यशस्वी जिला अध्यक्ष विजय कुमार मौर्य ने संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती बूथ से होती है और मतदाता पुनरीक्षण अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों और शक्ति केंद्र संयोजकों को समयबद्ध कार्य करने के निर्देश दिए भाजयुमो जिला अध्यक्ष धीरेंद्र पांडेय धीरू ने युवा मोर्चा की सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवाओं को इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए, जिससे अधिक से अधिक पात्र मतदाता सूची में शामिल हो सकें। बैठक में गोसाईगंज के ब्लॉक प्रमुख विनय वर्मा वरिष्ठ भाजपा नेता दीपचंद वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रणवीर सिंह पूर्व जिला उपाध्यक्ष अभिषेक रावत, जिला प्रतिनिधि श्रीराम सिंह मौर्य, मंडल महामंत्री डीडी त्रिपाठी, उमाकांत साहू, मंडल उपाध्यक्ष संतोष सिंह, अंकित वर्मा, राम प्रघट रावत, अंकित प्रजापति, मंडल मंत्री मोनू वर्मा, योगेंद्र वर्मा, सुनील दिवाकर, सत्यम सोनी, अनिल निगम, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष ज्योति गुप्ता, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राम की विश्वकर्मा अनुसूचित मोर्चा मंडल अध्यक्ष राजेश कनौजिया अंकुल वर्मा सोहिल यादव किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुरेश वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे बैठक में सभी वक्ताओं ने एक मत से कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण आगामी चुनावों की तैयारी की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। इसके माध्यम से न केवल नए मतदाताओं का नाम जोड़ा जाएगा बल्कि त्रुटिपूर्ण नामांकन को भी ठीक किया जाएगा ।अंत में मंडल पदाधिकारियों ने उपस्थित सभी बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र संयोजकों और कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे घर-घर संपर्क कर प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु जागरूकता अभियान चलाएं ।कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और भाजपा कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि वे मतदाता पुनरीक्षण अभियान को अमेठी मंडल में एक मिशन के रूप में पूर्ण करेंगे।

नशेड़ी पति ने पत्नी को लहूलुहान कर झाड़ियों में फेंका

संवाददाता

मोहनलालगंज। नगराम में एक नशेड़ी पति ने अपनी पत्नी की पिटाई कर लहूलुहान कर मितौली गांव के पास सुनसान जगह पर उसे झाड़ियों में फेंककर भाग निकला महिला की शिशिकियां सुन गुजर रहे राहगीरों ने नगराम पुलिस को सूचना दी पहुंची पुलिस ने घायल महिला को सीएचसी नगराम भेजा और परिवारीजनों को सूचना दी पीड़ित परिवारीजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी ।नगराम के सेल्हुमऊ निवासी रेशमा द्वारा दी गई तहरीर में बताया कि उसके पति बबलु नशे के आदि है रविवार शाम नशे की हालत में मामूली कहासुनी पर उसकी जमकर पिटाई कर सिर फोड़ दिया और लहूलुहान कर उसे मितौली गांव के पास सुनसान जगह पर झाड़ियों में फेंककर भाग गया। महिला की शिशिकियां सुन गुजर रहे राहगीरों ने उसे उठाया और परिवारीजनों को सूचना दी पहुंचे परिवारीजनों ने उसे लेकर घर पहुंचे और नगराम पुलिस को सूचना दी पहुंची पुलिस ने घायल महिला को सीएचसी नगराम भेजा और परिवारीजनों को सूचना दी। पीड़ित परिवारीजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी ।एसओ नगराम विवेक चौधरी ने बताया कि पीड़िता द्वारा दी गई तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया जांच की जा रही है।

वृंदावन के पास दो वाहनों की भिड़ंत, पूर्व भाजपा प्रत्याशी मनोज कुमार सिंह की कार क्षतिग्रस्त

संवाददाता

पीजीआई। पीजीआई थाना क्षेत्र के अंतर्गत वृंदावन के पास रात के समय बड़ा हादसा हो गया, जब प्रयागराज से लखनऊ लौट रहे जौनपुर की मल्हनी विधानसभा के पूर्व भाजपा प्रत्याशी मनोज कुमार सिंह की कार एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई। जानकारी के अनुसार, उनकी निजी गाड़ी UP44 AY 0001 को पीछे से आ रही एक लिफ्टमैक (क्रेन) UP70 AG 1481 ने तेज रफ़्तार और लापरवाही से जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मनोज कुमार सिंह का आरोप है कि विपक्षी वाहन चालक शिव प्रकाश कश्यप नशे की हालत में वाहन चला रहा था। पुलिस ने चालक का मेडिकल परीक्षण भी कराया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मनोज कुमार सिंह ने पूरे मामले की लिखित तहरीर थाना PGI में दी, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क दुर्घटना में पति की हुई मौत पत्नी व दो मासूम बच्चों की हालत गंभीर

संवाददाता

निगोहां। निगोहां थाना क्षेत्र के लखनऊझ्रप्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित लालपुर जिओ पेट्रोल पंप के समीप एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई घटना की सूचना मिलते ही थाना निगोहां पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची मौके पर पहुंचकर पता चला कि बाइक संख्या वढ 32 ठऊ 5332 स्प्लेंडर से अकबरपुर बेनीगंज, थाना निगोहां निवासी सुनील कश्यप 38 वर्ष पुत्र स्व. विश्वनाथ कश्यप, अपनी पत्नी सुनीता और बेटी सुषमा 13 व छोटी बेटी 3 वर्ष के साथ ससुराल ग्राम तोड़कपुर, थाना बछरावां, रायबरेली पारिवारिक निमंत्रण में जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार ऊछ 6 उट 9250 स्विफ्ट डिजायर कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चारों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े ।सूचना पाते ही पुलिस ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और सभी घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज भेजा गया। उपचार के दौरान बाइक सवार सुनील को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं उनकी पत्नी और दोनों बच्चे अभी भी गंभीर हालत में उपचाराधीन हैं। घटना में शामिल दोनों वाहनों को पुलिस ने कब्जे में लेकर यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से बहाल कर दिया है। पुलिस को तहरीर प्राप्त होते ही आवश्यक विधिक कार्यवाही की जाएगी।

19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में 32 हजार स्काउट-गाइडों की सहभागिता, 100 बेड का आधुनिक अस्पताल संचालित

अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह और मुख्यायुक्त डॉ. प्रभात कुमार ने बताया—जम्बूरी में 100 बेड का आधुनिक अस्पताल, 35 सेक्टरों में व्यवस्थाएँ, प्रतिदिन 100 यूनिट रक्तदान का संकल्प

संवाददाता

लखनऊ। 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी एवं ग्राण्ड फिनाले डायमण्ड जुबली जम्बूरी के मीडिया सेंटर में रविवार को भारत स्काउट एवं गाइड के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह और मुख्यायुक्त डॉ. प्रभात कुमार ने संयुक्त प्रेस वार्ता की। अध्यक्ष ने जम्बूरी की रूपरेखा और व्यवस्थाओं का विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि इस बार देश के विभिन्न राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों, रेलवे व केन्द्रीय विद्यालय संगठन सहित अन्य संस्थानों से लगभग 32,000 स्काउट-गाइड प्रतिभाग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विशाल जम्बूरी परिसर को बेहतर प्रबंधन के लिए 35 सेक्टरों में बांटा गया है, जिनका नामकरण भारत की प्रमुख पवित्र नदियों के आधार पर किया गया है। प्रत्येक सेक्टर में प्राथमिक उपचार, चिकित्सकों की तैनाती और मोबाइल क्लीनिक की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्रतिभागियों के लिए परिसर में 100 बेड का अत्याधुनिक अस्पताल स्थापित किया गया है, जो विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में 247 संचालित हो रहा है। अध्यक्ष ने बताया कि स्काउट-गाइडों ने प्रतिदिन 100 यूनिट रक्तदान करने का संकल्प लिया है, जो मानवता और सेवा की भावना को मजबूत करता है। मुख्यायुक्त डॉ. प्रभात कुमार ने जम्बूरी की दैनिक गतिविधियों और विभिन्न विभागों की थीमैटिक प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय थल सेना, नौसेना और वायुसेना द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियाँ छात्रों में देशभक्ति और सैन्य अनुशासन के प्रति प्रेरणा बढ़ा रही हैं। साथ ही, कई विदेशी देशों से भी स्काउट-गाइड प्रतिनिधि प्रतिभाग कर रहे हैं, जिससे यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच बन गया है। प्रेस वार्ता में बताया गया कि जम्बूरी का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा सोमवार को 2 बजे किया जाएगा। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 नवम्बर को 'यूपी डे' के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे।

एस आई आर 2025 अभियान को बूथ स्तर पर मजबूती देने का लिया सपथ

संवाददाता

निगोहां। मोहनलालगंज विधानसभा के मंडल निगोहां में रविवार को भाजपा लखनऊ जिला इकाई की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई जिसमें विशेष गहन पुनरीक्षण एस आई आर 2025 अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित कुमार सिंह ने की मतदाता सूची को पारदर्शी व त्रुटिरहित बनाने पर जोरबैठक में बताया गया कि एस आई आर 2025 अभियान लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने का आधार है, जिसके माध्यम से मतदाता सूची को पूरी तरह अद्यतन, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जाएगा। पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, गलत प्रविष्टियों को सुधारने तथा मृतक/स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। एस आई आर अभियान के मोहनलालगंज विधानसभा संयोजक एवं भाजयुमो जिला अध्यक्ष धीरेंद्र पांडेय ह्यधीरूह्ण ने कार्यकताओं को अभियान की प्रक्रिया, फॉर्म-6/7/8 के निस्तारण और बूथ आधारित कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी ।मंडल प्रवासी राजकुमार रोहित ने हर बूथ पर सशक्त टीम तैयार करने और घर-घर संपर्क अभियान को प्रभावी बनाने की जरूरत बताई। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री नवीन मिश्रा ने किया। वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकताओं की उपस्थिति मुख्य रूप से प्रधान प्रभाकर त्रिवेदी,महामंत्री प्रांशु चौरसिया,मंडल उपाध्यक्ष चंदन सिंह,पूर्व जिला मंत्री राजाराम वर्मा,भाजपा नेता भवरेश्वर चौरसिया,शक्तिकेंद्र संयोजक प्रभाकर सिंह, भाजपा नेता सुनील सिंह,मनोज वर्मा,अरुण वर्मा,बी.एन. तिवारी, दिनेश कुशवाहा,राम स्नेही,राजू द्विवेदी, उत्कर्ष शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे ।सभी कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि एसआई आर-2025 अभियान को हर घरझ्रहर मतदाताह्व के लक्ष्य के साथ पूरी गंभीरता से बूथ स्तर तक सफल बनाया जाएगा।

सम्पादकीय

विवादों में चिंतपूर्णी महोत्सव

किसी भी धार्मिक नाम से होने वाले समारोह साधारण नहीं हो सकते और जहां सार्वजनिक उद्देश्य इनसे जुड़ जाएं, वहां शुचिता के संदर्भ सर्वोपरि हो जाते हैं। अंब में माता चिंतपूर्णी महोत्सव पर फूल बरसाने वाले भक्त अब इसके तौर तरीकों से आजिज हैं और इसी परिप्रेक्ष्य में शिकायतें हो रही हैं। आरोप है कि सभा-समारोह के मुख्य आकर्षण में पधारे एक पंजाबी गायक ने ही सारी भावना और उद्देश्य पर खलल डाल दिया। माता चिंतपूर्णी समारोह में जल रही आस्था की ज्योति तक पहुंचे कलाकार ने न केवल आचरण व मयार्दा लांघी, बल्कि धार्मिक आयोजन के खिलाफ शराब और हथियारों के पक्ष में गाने उछाल दिए। विवादों में आए माता चिंतपूर्णी महोत्सव ने न केवल धार्मिक भावनाओं को आहत किया, बल्कि सारे आयोजन की पवित्रता को नापाक कर दिया। हम इसे किसी एक धर्म की बपौती न भी मानें, लेकिन ऐसे समारोहों की छवि को समाज, राष्ट्र और सांस्कृतिक पर्यटन के आईने से देखें जरूर। अगर माता चिंतपूर्णी समारोह की शुरूआत को आगे तक ले जाना है, तो इसके साथ हिमाचल की सांस्कृतिक-धार्मिक मयार्दा नत्थी होनी चाहिए। आखिर ऐसे समारोहों की प्रबंधन कमेटी में होते कौन हैं, जो कलाकारों के नाम पर सस्ती लोकप्रियता से दर्ज हुए गीत-संगीत को हामी भर देते हैं। होना तो यह चाहिए कि प्रमुख मंदिरों को हिमाचल के सांस्कृतिक केंद्रों की तरह भी विकसित किया जाए। अभी हाल ही में बगलामुखी प्रबंधन की ओर से परिसर में शखेकाच्चारण तथा मंगलवार को हनुमान चालीसा का सार्वजनिक पाठ शुरू करके, दक्षिण भारतीय मंदिरों की तर्ज पर गरिमामय वातावरण उत्पन्न किया है। चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, बालासुंदरी, दियोटसिद्ध, कांगड़ा व चामुंडा मंदिरों में धार्मिक पर्यटन की ज्वाला भी जल रही है।

ऐसे में अंब में माता चिंतपूर्णी महोत्सव पर उठे विवाद ने आंखें खोल दी हैं। मंदिर परिसरों या मंदिर महोत्सवों के प्रारूप में पवित्रता के मानदंड विज्ञापित होने चाहिएं। हर मंदिर परिसर में आरती की शैली, मंत्रोच्चारण की विधि तथा हिमाचल की संस्कृति का प्रसार सबसे अहम है। ऐसे में प्रदेश के बड़े मंदिरों के परिसर में सांस्कृतिक-कला केंद्रों के रूप में आधुनिक ऑडिटोरियम तथा कला-गीत-संगीत एवं नृत्य स्कूलों की स्थापना करनी चाहिए। मंदिर परिसर के ऑडिटोरियम में अगर हर दिन हिमाचली संस्कृति से जुड़ा कार्यक्रम चले, तो प्रदेश के कलाकारों को नियमित रोजगार मिल सकता है। प्रदेश में राष्ट्रीय स्तर के संगीत समारोहों की एक वार्षिक श्रृंखला हिमाचल के धार्मिक परिसरों में चल सकती है। दरअसल धार्मिक पर्यटन को जिस दृष्टि व नीतियों की जरूरत है, उसे हम स्थानीय प्रशासन के हवाले कर देते हैं। यह गलत व अस्थायी परंपरा है, जहां मंदिर की आय-व्यय को एक सुविधा या विशेषाधिकार के रूप में देखा जा रहा है। तीर्थाटन के लिए हिमाचल को एक मजबूत डेस्टिनेशन बनाने के लिए मंदिरों का विस्तार व पूजा शैली की विशिष्टता में नए प्रयास करने पड़ेंगे। मंदिर के नाम नर मनोरंजन का अर्थ यह नहीं कि इसे प्रशासनिक व्यवस्था में राजनीतिक आवभगत बना दिया जाए। यह अनुशासन अंब में आयोजित माता चिंतपूर्णी महोत्सव के लिए ही नहीं, बल्कि तमाम ऐसे समारोहों को बढ़ती फूहड़ता से बचाना होगा। देश के विभिन्न भागों में भारतीय संस्कृति व गीत-संगीत के कई राष्ट्रीय संस्थान हैं, जिनके कलाकारों को बुलाकर हम अपनी गायन परंपराओं का उत्थान व भारतीय दर्शन में हिमाचल का स्थान सुनिश्चित कर सकते हैं।

देश की राजधानी दिल्ली समेत पूरा एनसीआर एक बार फिर जहरीली हवा की गिरफ्त में है। सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें और राजनेता एक-दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिए तत्पर क्यों नहीं होते? कागज पर भले सरकार ने वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि चीन जो कभी खतरनाक प्रदूषण से जूझ रहा था, एक दशक के अंदर अपनी वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में कामयाब रहा। हम ऐसा क्यों नहीं कर पा रहे। चीन ने इसे राष्ट्रीय आपातकाल मानकर तेज गति से काम किया है। चीन की इस सफलता में निगरानी ने एक बड़ी भूमिका निभाई। देश ने एक व्यापक रियल टाइम वायु निगरानी नेटवर्क बनाया, जो शहर दर शहर और यहां तक कि फैक्ट्री दर फैक्ट्री प्रदूषकों पर नजर रखता था। इससे उन्हें उत्सर्जन कहां से आया, इसका एक सटीक डेटा मिला और उसी के मुताबिक कार्रवाई संभव हुई। हम ऐसा करने में कहां कमजोर पड़ रहे हैं, इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

प्रदूषण पर लगाम की कारगर नीति बने

पर्यावरण

रविशंकर

स्वतंत्र पत्रकार

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार पहुंच चुका है,जो गंभीर श्रेणी में आता है। यानी सांस लेना भी खतरे से खाली नहीं। भले इस गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किए गए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई के बजाय निरंतर प्रयासों की जरूरत है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जैसे उपाय दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं।

उत्तर भारत एक बार फिर जहरीली हवा की गिरफ्त में हैं। लोगों के लिए सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। आसमान में मौजूद धुंआ जनस्वास्थ्य संकट बन चुका है। लोग गैस चैंबर में रहने को मजबूर हैं। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक कई इलाकों में 400 के पार पहुंच चुका है,जो गंभीर श्रेणी में आता है। यानी सांस लेना भी खतरे से खाली नहीं। भले इस गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किए गए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। पर्यावरण के लिए काम करने वाली संस्था ग्रीनपीस की एक रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत की राजधानी दिल्ली दुनियाभर में सभी देशों की राजधानी में सबसे ज़्यादा प्रदूषित शहर है।

स्थायी समाधान क्यों नहीं

सवाल है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें और राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिए तत्पर क्यों नहीं होते? कागज पर भले सरकार ने वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे पता चलता है कि हमारे यहां व्यवस्था प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए कितनी कारगर है। इसी बीच, ध्यान देने वाली बात यह है कि चीन जो कभी खतरनाक प्रदूषण से जूझ रहा था, एक दशक के अंदर अपनी वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में कामयाब रहा। सवाल अहम यह है कि भारत दुनिया के दूसरे देशों से सबक क्यों नहीं ले रहा है। यह ठीक है कि भारत ने प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं लेकिन धीमी गति और जमीनी स्तर पर कमजोर प्रवर्तन की वजह से उनका प्रभाव सीमित ही रहा। वहीं चीन ने प्रदूषण को राष्ट्रीय आपातकाल मानकर तेज गति से काम किया है। चीन की इस सफलता में निगरानी ने एक बड़ी भूमिका निभाई। देश ने एक व्यापक रियल टाइम वायु निगरानी नेटवर्क बनाया, जो शहर दर शहर और यहां तक कि फैक्ट्री दर फैक्ट्री प्रदूषकों पर नजर रखता था। इससे उन्हें उत्सर्जन कहां से आया, इसका एक सटीक डेटा मिला और उसी के मुताबिक कार्रवाई संभव हुई।

चीन ने किया नीति में बदलाव

इसी के साथ चीन ने अपनी परिवहन प्रणाली में भी बदलाव किया। बीजिंग जैसे शहरों में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार किया, चौड़े पैदल यात्री क्षेत्र बनाएं,निजी वाहन पर निर्भरता कम की और साथ ही सार्वजनिक परिवहन में निवेश किया। इसी के साथ प्रदूषणकारी उद्योगों के प्रति भी चीन ने सख्ती दिखाई। चीन ने उद्योगों को स्वच्छ ईंधन और रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ मोड़ कर कोयल पर अपने निर्भरता को भी कम किया। गैस आधारित बॉयलरों ने अनगिनत कोयला इकाइयों की जगह ली,जिस वजह से सल्फर उत्सर्जन में काफी कमी आई। भारत में अभी भी कोयले पर निर्भरता काफी ज्यादा है। साफ है, चीन का मॉडल दिखाता है कि मजबूत प्रवर्तन और एकीकृत सरकारी दृष्टिकोण से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। गौर करने वाली बात ये है कि प्रदूषण से आबादी के लिहाज से सबसे ज्यादा नुकसान भारत को ही होता है,लिहाजा भारत को अपनी जिम्मेदारी बखूबी समझते हुए तत्काल ही कुछ सार्थक और ठोस उपाय करना होंगे। साफ है, आज के समय दुनिया में सबसे ज्यादा बीमारियां पर्यावरण प्रदूषण की वजह से हो रही हैं। मलेरिया, एडस और तपेदिक से हर साल जितने लोग मरते हैं उससे ज्यादा लोग प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से मर जाते हैं।

उदासीन बनी है सरकार

बहरहाल, हर साल सवाल यही उठता है कि वायु प्रदूषण से हर साल होने वाली मौत को रोकने के लिए सरकार की तरफ से क्या कदम उठाए जा रहे हैं? इसके बावजूद लोग अपने त्रासदीपूर्ण भविष्य को लेकर पूरी से तरह से बेखबर हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर हमारी सरकार और समाज कर क्या रहे हैं? वास्तव में वायु प्रदूषण की समस्या इतनी जटिल होती जा रही है कि भविष्य अंधकारमय होता प्रतीत हो रहा है। वस्तुतः आज मनुष्य भोगवादी जीवन शैली का इतना आदि और स्वार्थी हो गया है कि अपने जीवन के मूल आधार समस्त वायु को दूषित कर रहा है, नैतिकता, धर्म, कर्तव्य सब भूल रहा है। बढ़ते वाहनों और कारखानों से निकलते धुएं ने वायु का, वृक्षों की कटाई से जीवनदायिनी गैसों को, मनुष्य द्वारा फैलाई जा रही गंदगी से जल को इस तेजी के साथ प्रदूषित कर रहा है कि दुगनी गति से बीमारियां भी फैल रही हैं। मानवीय सोच और विचारधारा में इतना ज्यादा बदलाव आ गया है कि भविष्य की जैसे मानव को कोई चिंता ही नहीं है। अमानवीय कृत्यों के कारण आज मनुष्य प्रकृति को रिक्त करता चला जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण असंतुलन के चलते भूमंडलीय ताप, अम्लीय वर्षा, बर्फीली चोटियों का पिघलना, सागर के जल-स्तर का बढ़ना, मैदानी नदियों का सूखना, उपजाऊ भूमि का घटना और रेगिस्तानों का बढ़ना आदि विकट परिस्थितियां उत्पन्न होने लगी है। ये सारा किया कराया मनुष्य का है और आज विचलित, चिंतित भी स्वयं मनुष्य ही हो रहा है। लेकिन अफ़सोस की बात है कि हम चेत नहीं हो रहे हैं। साल दर साल बीत जाने के बाद भी भारत में वायु प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है। चाहे केंद्र सरकार हो या फिर राज्य सरकारें, कोई भी प्रदूषण से लड़ने के लिए गंभीर नहीं दिखता। ऐसे में सरकारों के प्रदूषण से लड़ने के लिए दीर्घकालीन नीतियां बनाने की जरूरत है, तो वहीं दूसरी तरफ लोगों को अपने स्तर पर वे सभी जतन करने की जरूरत है जो हवा को जहरीली होने से रोकें।

विदेशों से सीख ले भारत

ये ठीक है कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने कई कदम उठाए थे। फिर भी हम फिसड्डी साबित हुए। ऐसे में भारत की जिम्मेदारी बड़ी और ज्यादा गंभीर चुनौतीपूर्ण हो जाती है क्योंकि हमें विकसित और विकासशील दोनों ही प्रकार के देशों में किए जा रहे उपायों को अपनाना पड़ेगा। दअरसल, वायु प्रदूषण एक ऐसा मुद्दा है जो पूरी दुनिया के लिए चिंता की बात है ओर इसे बिना आपसी सहमति और ईमानदार प्रयास के हल नहीं किया जा सकता है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई के बजाय निरंतर प्रयासों की जरूरत है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जैसे उपाय दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं। एक व्यवस्थित निगरानी तंत्र से पूरे वर्ष वायु गुणवत्ता का मूल्यांकन करना जरूरी है

ऐसे तो गल जाएंगे दिल्ली के फेफड़े

महारोग स्मॉग

डॉ. घनश्याम बादल

स्वतंत्र पत्रकार

कुदरत से छेड़छाड़ की प्रवृत्ति सबसे बड़ी वजह है स्मॉग के कहर की। यदि लोगों को स्मॉग की मार से बचाना है तो हमें दलीय राजनीति सबसे पहले छोड़नी होगी

दिल्ली में क्लाउड सीडिंग के माध्यम से कृत्रिम बारिश का सपना टूट गया है। लगातार तीन दिन तक आकाश में क्लाउड सीडिंग करने के बावजूद एक बूंद भी बारिश नहीं हुई और दिल्ली वासी 400 से ऊपर एक क्यू आई यानी हवा की बहुत ख़राब क्वालिटी के साथ सांस लेने को मजबूर हैं। हालत इतनी ख़राब है कि 100 मीटर दूर की बिल्डिंग दिखाई नहीं दे रही है। दीपावली के बाद अक्सर दिल्ली में स्मॉग की समस्या आती रही है और इसके पीछे जहां दीपावली के पटाखों को जिम्मेदार ठहराया जाता है वहीं हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा पराली जलाए जाने के आरोप लगाकर भी पल्ला झाड़ लिया जाता है जबकि असलियत यह है कि जिस तरह दिल्ली में परिवहन एवं वाहनों की स्थिति है उसके चलते आने वाले वर्षों में पूरे साल ऐसी ही स्थिति रहने वाली है और यदि कारगर उपाय नहीं किए गए तो फिर दिल्ली के फेफड़े खराब होने तय हैं। दिल्ली ही नहीं दूसरे व्यस्त महानगरों में भी भारी स्मॉग और कहर बरपा रही है। हर साल दिसंबर जनवरी के महीने कोहरे व स्मॉग के शिकार होते ही हैं। जितना बड़ा शहर उतना ही ज्यादा स्मॉग और उससे ज्यादा उससे उपजा संकट। इन दिनों में स्मॉग के चलते बीमार होने के साथ-साथ सड़क दुघर्टनाओं में भी न जाने कितनी जानें जाती हैं। रोज ही लाखों यात्री समय से अपने गंतव्य पर नहीं पंहुच पाते हैं। देश भर में यातायात प्रभावित होता है। प्रतिदिन कितनी ही ट्रेन व बसें तथा हवाई जहाजों की उड़ानें भी लेट होती हैं या फिर रद्द की जाती हैं। कोहरे के प्रकोप का तोड़ ढूंढ पाने हर प्रयास नाकाम सिद्ध हो रहा है। स्मॉग ज्यादातर औद्योगिक शहरी क्षेत्रों में जल कणों का कार्बन कणों तथा अन्य सूक्ष्म कणों के मिश्रण से अधिक तीव्रता से बनता है और ज्यादा देर तक बना रहता है। इसमें विभिन्न रसायनों के वाष्पकण मिल जाने से इसकी प्रकृति अम्लीय भी हो जाती है जो अधिक हानिकारक है। कुदरत से छेड़छाड़ की प्रवृत्ति सबसे बड़ी वजह है स्मॉग के कहर की। यदि सचमुच ही दिल्ली एवं दूसरे शहरों के लोगों को स्मॉग की मार से बचाना है तो हमें दलीय राजनीति एवं क्षुद्र स्वार्थ सबसे पहले छोड़ने होंगे। आज यह समय की मांग है कि हमें स्मॉग से पीड़ित शहरों एवं लोगों को राहत दिलाने के लिए उन सब कारणों को दूर करना जिनकी वजह से स्मॉग की समस्या उत्पन्न होती है। कुल मिलाकर यदि स्मॉग का हल नहीं ढूंढ पाए तो फिर यह तो तय है कि दिल्ली के फेफड़े जल्द ही ख़राब हो जाएंगे और दिल्ली ही क्यों हर उस नगर, महानगर की हालत ऐसी ही होना निश्चित है। इसलिए बेहतर हो कि समय रहते यथार्थ परक व्यवहारिक और गहन सोच वाले कदम उठाए जाएं।

नकली बादल से हल नहीं होती वायु प्रदूषण की असली समस्या

दो टूक

पंकज चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

जब भीषण चक्रवात मोंथा ने सारे देश को भीगा दिया था और बादल दिल्ली के आसपास ही मंडरा रहे थे, वायु प्रदूषण से हताश दिल्ली महानगर पर नकली बरसात करवाकर हवा साफ करवाने का प्रयास असफल ही रहा। याद करें डेढ़ महीने पहले ही राजस्थान में कभी जयपुर के करीब विशाल झील रही और बीते दो दशक से पूरी तरह सूखी जमवा रामगढ़ की झील को भरने के लिए कृत्रिम बारिश के प्रयोग एक तमाशे से अधिक नहीं रहे। वहां कई बार ड्रोन उड़ाये और चार बार असफल रहने के बाद नाममात्र की बूंदें गिरी जिसने झील के तल को गीला तक नहीं किया। दिल्ली सरकार दीपावली के ठीक अगले दिन कृत्रिम बादल से पानी बरसाने की बात कर रही थी और यह होता तो एसिड रैन या तेजाब की बारिश एक बड़ी संभावना थी। कैसी विडंबना है कि समाज और सरकार दोनों के स्तर पर वायु प्रदूषण कम करने के कोई प्रयास होते नहीं, उलटे जब आतिशबाजी के धुएं से दम घुटने लगा तो तकनीक के बदौलत एक छद्म प्रयास किया जा रहा है। दिवाली के एक हफ्ते बाद भी दिल्ली-समग्र की कोई चार करोड़ जनसंख्या जिस वायु में सांस ले रही हैं, वह न केवल उनकी उम्र घटा रही है, बल्कि विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज में खर्च से जेब में भी छेद कर रही है। सालों से चर्चा होती रही है कि इस शहर को गैस चेम्बर बनाने में सड़कों पर जाम, अनियोजित निर्माण से उड़ती धूल का बड़ा हिस्सा है। निरंकुश आतिशबाजी ने इसमें रासायनिक जहर को और जोड़ दिया और इस तरह से हवा को दूषित करने को काबू करने के कोई निर्णायक उपाय हो नहीं रहे। ऐसे में नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है। जिस कृत्रिम बरसात का झांसा दिया जा रहा है, उसकी तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से

नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है। कृत्रिम बरसात की तकनीक को समझना जरूरी है।

सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ के पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है तो यह सूखी बर्फ के कणों पर चिपक जाते हैं और इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है। एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फ़ीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह ख़तरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जाएं। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाब पर भी रासायनिक ख़तरा संभावित है। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक है, वहां बरसात नए तरीके का संकट ला सकती है। विदित हो सीएनजी दहन से नायट्रोजन ऑक्साइड और नाइट्रोजन की ऑक्सीजन के साथ गैसें जिन्हें 'आक्साईड आफ नाइट्रोजन' का उत्सर्जन होता है। चिंता की बात यह है कि "आक्साईड आफ नाइट्रोजन " गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिलकर तेजाबी बारिश कर सकती है। यह वैश्विक रूप से प्रामाणिक तथ्य है कि नकली तरीके से बरसात करवाना कई बार बहुत भारी पड़ता है, फिर उस दिल्ली एनसीआर में, जहां कुछ मिनट की बरसात से सड़कों पर नदी-नाले भरने से जाम होता है और यही जाम दिल्ली की हवा में सबसे अधिक जहर घोलता है। जाहिर है बरसात से जितना प्रदूषण कम नहीं होगा, उससे अधिक बरसात के कारण वाहनों के ठिठकने से उपजे धुएं से बढ़ेगा ही। कृत्रिम बारिश से होने वाली भारी बारिश से बाढ़ आ सकती है, जिससे जान-माल की हानि हो सकती है। प्रकृति को कोई भी नकली या बाहरी प्रयास बचा नहीं सकता। इसके लिए मानव को ही आत्म नियंत्रण करना होगा ताकि कम से कम हवा दूषित हो। कृत्रिम बरसात करवाना वैसा ही है जैसे नल की टोंटी कर पोंछा लगाने की कवायद।

विकासशील देशों के लिए संकट बनी प्लास्टिक कचरे की सुनामी

ई-कचरा

प्रमोद भार्गव

स्वतंत्र पत्रकार

पर्यावरण पर वैश्विक निगरानी रखने वाली सिएटल स्थित संस्था 'बासेल एक्शन नेटवर्क' (बीएएन) की ताजा रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि अमेरिका से लाखों टन खराब इलेक्ट्रॉनिक सामग्री कई देशों में ठिकाने लगाने की दृष्टि से भेजी जा रही है। इनमें से अधिकांश दक्षिण पूर्व एशिया के विकासशील देश हैं। इन देशों में इस खतरनाक कचरे का सुरक्षित रूप से नष्ट करने का कोई उपाय नहीं है, इसलिए वे इसे लेने को तैयार नहीं हैं। बावजूद दस अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां प्रयोग की उम्र समाप्त कर चुके इलेक्ट्रॉनिक्स को एशिया और पश्चिमी एशिया के निर्धन देशों में ठिकाने लगा रही हैं। इसे ई-कचरे की छिपी हुई सुनामी माना जा रहा है।

रपट के अनुसार यह ई-कचरे की अदृश्य सुनामी है, क्योंकि ये विकासशील एवं गरीब देश इस कचरे का पुनर्चक्रण करने में समर्थ नहीं है। फिर भी ताकतवर पूंजीपति देश इन देशों को अपने कचरे का ठिकाना बनाने में बेहिचक लगे हुए हैं। अतएव पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा। इसका वहां के लोगों के स्वास्थ पर कितना असर पड़ेगा, यह अंदाजा कोई नहीं लगा पा रहा है। इस कचरे में कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल और अन्य आईटी उपकरण शामिल हैं। इनमें सीसा, कैडमियम और पारा जैसी सामग्रियां हैं, जो मूल्यावन होने के साथ विषाक्त हैं। जैसे-जैसे गैजेट्स नए मॉडल के साथ तेजी से बदले जा रहे हैं, वैसे-वैसे पुनर्चक्रित नहीं किया जाने वाला कचरा पांच गुना बढ़ता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ और अनुसंधान शाखा (यूएनआईटीएआर) के अनुसार एकत्रित आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर 2022 में 6.2 करोड़ मीट्रिक टन ई-कबाड़ उत्पन किया गया। 2030 तक इसके उत्पादन की मात्रा 8.2 करोड़ मीट्रिक टन हो जाने का अनुमान हैं। रपट के अनुसार हर महीने लगभग 2000 कंटेनरों में लगभग 33,000 मीट्रिक टन अमेरिका में इस्तेमाल किया गया। ई-कचरा अमेरिकी बंदरगाहों से बाहर भेजा जाता है। इन कंटेनरों की खेपों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों को ई-कचरा ब्रॉकर कहा जाता है। ये आमतौर पर स्वयं कचरे का पुनर्चक्रण करने की बजाय इसे लाचार गरीब देशों के बंदरगाहों पर उतार देती हैं।

पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा।

यह कचरा लगातार एशियाई देशों में कचरे के बोझ को बढ़ाकर कई तरह के पर्यावरणीय संकट पैदा कर जल-वायु और पृथ्वी को प्रदूषित कर रहा है। इस कचरे से घातक लैंडफिल गैसों का भी उत्सर्जन कुछ सालों के बाद होने लगता है। इनसे उत्पन्न जहरीला रसायन जल और मिट्टी को दूषित करता है। इस कचरे का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए कबाड़खानों में पहुंचा देते हैं। यहां काम करने वाले मजदूर अक्सर बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के उन्हें हाथों से जला एवं पिघला कर अलग कर खोलते हैं। इस प्रक्रिया विषाक्त धुआं निकलता है, जो अत्यंत हानिकारक होता है। बासेल एक्शन नेटवर्क की संधि के मुताबिक इस्तेमाल किए गए ई-कचरे को एक देश से दूसरे देश भेजने की अनुमति केवल ऐसे कचरे को हैं, जिसे पुनर्चक्रित करके पुनः इस्तेमाल किया जा सके और जो पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करने वाला हो। लेकिन ये कंपनियां ऐसी किसी शर्त का पालन नहीं कर रही हैं। यही कारण है कि दुनिया में पुनर्चक्रण की तुलना में ई-कबाड़ में पांच गुना वृद्धि हो रही है। आज ई-कचरा,जिसमें बड़ी मात्रा में प्लास्टिक के उपकरण भी शामिल हैं,नष्ट करना भारत समेत दुनिया के देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। इसे नष्ट करने के जैविक उपाय तलाशे जा रहे हैं। जापान के क्योटो विश्वविद्यालय ने एक ऐसे जीवाणु के अनुसंधान का दावा किया है,जो जैविक रूप से प्लास्टिक नष्ट कर सकता है। हालांकि भारत में यही काम औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी कचरे को नष्ट करने के लिए केंचुओं से कराया जा रहा है। औसतन एक टन ई-कचरे के टुकड़े करके उसे यांत्रिक तरीके से पुनर्चक्रित किया जाए तो लगभग 40 किलो धूल या राख जैसा पदार्थ तैयार होता है। इसमें अनेक कीमती धातुएं समाहित रहती हैं। इन धातुओं के पृथक्करण की प्रक्रिया मानव शरीर और पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली है, इसलिए इस हेतु बायो-हाइड्रो मेटलर्जिकल तकनीक कहीं ज्यादा बेहतर मानी जा रही है। इस तकनीक को अमल लाते वक्त सबसे पहले बैक्टीरियल लीचिंग प्रोसेस ; बायो लीचिंग का प्रयोग करते हैं। इसके लिए ई-कचरे को बारीक पीसकर उसे जीवाणुओं के साथ रखा जाता है। बैक्टीरिया में मौजूद एंजाइम कचरे में उपस्थित धातुओं को ऐसे यौगिकों में बदल देते हैं कि उनमें गतिशीलता पैदा हो जाती है। बायो-लीचिंग की विधि में जीवाणु कुछ विशेष धातुओं को अलग करने में मदद करते हैं। हालांकि कई प्रकार के जीवाणुओं और फफूंद का उपयोग प्रिंटेड सर्किट बोर्ड से सीसा, तांबा और टिन को अलग करने के लिए किया जाता रहा है। इस कचरे को जो कंपनियां जिन देशों में ठिकाने लगा रही हैं, वहां इस कचरे के निस्तारण संबंधी जैविक उपाय स्टार्टअप के रूप में बेरोजगारों को उपलब्ध करा दें तो गरीब देशों के युवाओं को रोजगार तो उपलब्ध होगा ही, दुनिया प्रदूषण मुक्त भी बनी रहेगी।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

-:ईश्तहार:-

रा०प्र०क्र०..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत बंजा..../नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि श्री रामचन्द जायसवाल पिता श्री निहोरा प्रसाद जायसवाल निवासी बंजा के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं० 471/2 ..रकबा 0.06 हे. जो ग्राम बंजा प.ह.नं. 10 रा०नि०मं० शिवप्रसादनगर तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर में स्थित है, के व्यवसायिक भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 08/12/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 24.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ०ग०) न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

-: उदघोषणा:-

सर्व साधारण ग्रामवासी/नगर वासी ग्राम/नगर............प.ह.नं...... तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश साहू आ. स्व. रामसेवक साहू जाति तेली निवासी ग्राम सूरजपुर पोस्ट सूरजपुर थाना सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने स्व. फुलझरिया के मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिसमें कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस न्यायालय में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति/आक्षेप हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 27/11/2025 को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी सूरजपुर
जिला सूरजपुर (छ.ग.)

चंडीगढ़ को लेकर मोदी सरकार के प्रस्तावित विधेयक पर बवाल

चंडीगढ़ पर हम कोई विधेयक लेकर नहीं ला रहे, केवल कानूनी प्रक्रिया को सरल बना रहे

सत्ताधारी आप के साथ ही कांग्रेस ने किया इसका विरोध

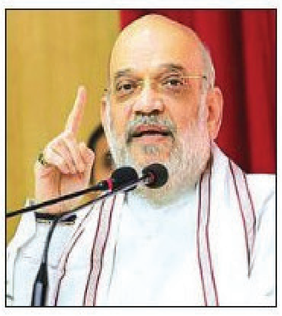

गृहमंत्री अमित शाह

गृह मंत्रालय ने दी सफाई

पंजाब सरकार ने गंभीर परिणाम होने की चेतावनी

नॉर्थ ब्लॉक स्थित गृहमंत्रालय

नई दिल्ली,

चंडीगढ़ को लेकर मोदी सरकार के प्रस्तावित विधेयक पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पंजाब सरकार ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है, जबकि कांग्रेस ने भी इसके गंभीर परिणाम होने की चेतावनी दी है। इसी बीच गृह मंत्रालय सामने आया है और पूरे मामले पर सफाई दी है।

गृह मंत्रालय ने जोर देकर कहा है कि केवल कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाया जा रहा है और चंडीगढ़ के प्रशासनिक ढांचे में किसी भी तरह का बदलाव नहीं होगा। संसद की तरफ से जारी इस बुलेटिन के सामने आने के बाद पंजाब में राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के अलावा कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि वह पंजाब से चंडीगढ़ छीनने की कोशिश कर रही है।

आर्टिकल 240 क्या है?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 240 उन केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन से जुड़ा है जिनके पास अपनी कोई विधायिका नहीं होती। इस सूची में वर्तमान में अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली आदि आते हैं। अगर नया विधेयक पारित हो जाता है, तो चंडीगढ़ भी इस सूची में शामिल हो जाएगा। दूसरे शब्दों में चंडीगढ़ में एक स्वतंत्र प्रशासक नियुक्त किया जाएगा।

चंडीगढ़ की जिम्मेदारी फिलहाल राज्यपाल के पास

फिलहाल पंजाब के राज्यपाल ही चंडीगढ़ के प्रशासक के रूप में कार्य करते हैं। राजधानी भले ही संयुक्त हो, लेकिन प्रशासनिक शक्ति लंबे समय से पंजाब के राज्यपाल के पास रही है। अगर यह विधेयक पारित हो जाता है, तो यहां भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा और प्रशासक की नियुक्ति केंद्र के स्तर से की जाएगी।

गृह मंत्रालय ने कहा- पंजाब-हरियाणा में समझौता जारी रहेगा

गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सरकार फिलहाल सिर्फ कानून बनाने की प्रक्रिया को आसान करने पर विचार कर रही है और प्रस्ताव पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। चंडीगढ़ के गवर्नर और उसके एडमिनिस्ट्रेटिव स्ट्रक्चर में किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। चंडीगढ़ का जो पारंपरिक समझौता वर्षों से चला आ रहा है, वह जैसा है वैसा ही जारी रहेगा। मंत्रालय ने यह भी कहा कि सभी पक्षों से बातचीत के बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा और चंडीगढ़ के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा, गृह मंत्रालय ने यह भी साफ कर दिया कि इस विषय पर किसी भी तरह की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

ये बोले नेतागण

बिल से जुड़े फैसलों के लिए शाह से करेंगे बातः जाखड़

केंद्र सरकार द्वारा चंडीगढ़ पर लाए जाने वाले प्रस्ताव को लेकर पंजाब भाजपा चीफ ने सुनील जाखड़ ने अने कहा कि वह इस प्रस्ताव को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वे चाहते हैं कि इस बिल से जुड़े फैसलों को वापस लिया जाए।

अधिकारों पर सीधा हमला किया जा रहाः मान

चंडीगढ़ को लेकर केंद्र के प्रस्तावित संविधान संशोधन बिल ने पंजाब की सियासत में भूचाल ला दिया है। शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले ही इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। पंजाब के दल इसे अपने अधिकारों पर सीधा हमला मान रहे हैं।

राजनीति चमकाने विपक्ष कुछ भी बोल रहाः भाजपा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि बिल चंडीगढ़ में नई व्यवस्थाओं के लिए सुविधाजनक बदलाव के तौर पर लाया जा रहा है। सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए विरोध कर रहे हैं।

कर्नाटक में कुर्सी पर सियासी बवाल

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से मिलते सीएम सिद्धारमैया

सिद्धारमैया ने खरगे से की मुलाकात बोले-फैसला सभी को मानना होगा

नई दिल्ली,

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को बेंगलुरु में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। बैठक के बाद सिद्धारमैया ने कहा कि चर्चा पार्टी संगठन, स्थानीय निकाय चुनावों और आगामी जिला पंचायत व तालुक पंचायत चुनावों को लेकर हुई। मंत्रिमंडल के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई। नेतृत्व परिवर्तन सिर्फ़ अटकलें हैं और यह मीडिया की उपज है। सिद्धारमैया ने कहा कि विधायकों को जाने दीजिए, लेकिन आलाकमान जो भी कहेगा, हम सभी को उसे मानना होगा। चाहे मैं हूं या डीके शिवकुमार। कब कोई फैसला लेगा, इस पर सिद्धारमैया ने कोई वादा नहीं किया।

मंत्री ने मुख्यमंत्री के तौर पर किया दावा

कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने रविवार को साफ संकेत दिया कि

अगर राज्य में नेतृत्व परिवर्तन होता है, तो वे भी मुख्यमंत्री पद की दौड़ में हैं। लंबे समय से चली आ रही 'दलित मुख्यमंत्री' की मांग के बीच उनका यह बयान राजनीतिक हलचल को और गर्म कर गया है। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि अभी तक कांग्रेस हाईकमान की ओर से नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई आधिकारिक चर्चा नहीं हुई है, न ही पार्टी आलाकमान ने इस विषय पर कोई संकेत दिया है और न ही कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) में यह मुद्दा उठा है।

कुमारस्वामी ने साधा निशाना

इस पर एनडीए कांग्रेस पर हमलावर है। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने विस्फोटक राजनीतिक घटनाक्रम की चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य में ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि यह कहना असंभव है कि राजनीति में कौन क्या निर्णय लेगा? यहां अप्रत्याशित और विस्फोटक घटनाक्रम होंगे।

वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन

मुंबईः घाटकोपर पश्चिम में श्री इंद्रदेव सिंह इंटरनेशनल स्कूल सीबीएसी में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हिन्दी विद्या प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह एवं निदेशिका डॉ. उषा मुकुंदन तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता मेहरोत्रा के मार्गदर्शन में किया गया।

क्राइस्ट द किंग फेस्टिवल

रांची। ईसाई समुदाय के लोग रविवार को रांची में 'खीस्त राजा पर्व' (क्राइस्ट द किंग फेस्टिवल) पर एक धार्मिक जुलूस में भाग लेते हुए।

ठाणे में भाजभा की कविगोष्ठी संपन्न

ठाणे । साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था भारतीय जनभाषा प्रचार समिति ठाणे की मासिक काव्यगोष्ठी मुन्ना विष्ट कार्यालय, सिडको ठाणे में संपन्न हुई। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार किशन तिवारी - भोपाल ने किया तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में शायरा रेखा किंगर रोशनी उपस्थित थीं। मंच का संचालन विनय सिंह विनम्र ने किया। उपस्थित अतिथियों संग त्रिलोचन सिंह अरोरा ने नव नियुक्त संस्था अध्यक्ष विनय सिंह विनम्र एवं उप चेयरमैन नंदलाल क्षितिज का सम्मान अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर किया

बिहार में माताओं के दूध में मिला यूरेनियम

नवजातों के लिए खतरनाक 6 जिलों में मिले 40 मामले

नई दिल्ली,

नेचर जर्नल में प्रकाशित एक नई वैज्ञानिक स्टडी ने चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। अध्ययन के अनुसार स्तनपान कराने वाली 40 माताओं के ब्रेस्ट मिल्क के सैंपल में यूरेनियम का अत्यधिक उच्च स्तर पाया गया है। यह अध्ययन पटना के महावीर कैंसर संस्थान की ओर से डॉ. अरुण कुमार और प्रो. अशोक घोष की अगुवाई में किया गया, जिसमें एम्स, नई दिल्ली के बायोकैमिस्ट्री विभाग से डॉ. अशोक शर्मा की टीम भी शामिल थी। अक्टूबर 2021 से जुलाई 2024 के बीच किए गए इस शोध में भोजपुर,

फाइल फोटो

समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, कटिहार और नालंदा की 17 से 35 वर्ष आयु की 40 महिलाओं के ब्रेस्ट मिल्क के नमूनों का विश्लेषण किया गया। सभी नमूनों में यूरेनियम (यू-238) पाया गया, जिसकी मात्रा 0 से 5.25 ग्राम/ लीटर के बीच दर्ज की गई। खगड़िया में औसत स्तर सबसे अधिक, नालंदा में सबसे कम मात्रा पाई गई है।

पर्यावरणीय स्थिति ने बढ़ाई समस्या

बिहार में पेयजल और सिंचाई के लिए भूजल पर अत्यधिक निर्भरता, बिना ट्रीटमेंट वाले औद्योगिक अपशिष्टों का निस्तारण और लंबे समय से रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के उपयोग ने पहले ही जीव वैज्ञानिक नमूनों में आर्सेनिक, लेड और मरकरी जैसी धातुओं का स्तर बढ़ा दिया है। अब ब्रेस्ट मिल्क में यूरेनियम की मौजूदगी यह संकेत देती है कि प्रदूषण राज्य की सबसे कमजोर आबादी- शिशुओं तक पहुंच गया है।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रश्मि सोनी पति विकास कुमार सोनी निवासी मायापुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 की ओर से मुख्तार आम राजेश कुमार गुप्ता आ०रघुवीर प्रसाद गुप्ता निवासी मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2222/8 रकबा 0.022 हे0 भूमि को अनावेदक जतीन कुमार गुप्ता आ०लवलेश कुमार गुप्ता निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राषि रुपए 13,35,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस बहन्यायालय को प्राप्त हआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई में दिनाक 05/12/2025 के पूर्व स्वय अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 18/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला - जशपुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202511031100048

विषयः- अ-2
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सन- 2025-2026
चन्दरपुर प.ह.न. 00022 [45/1(0.1540 हे0)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार राकेश कुमार अग्रवाल पिता सजन अग्रवाल,

अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम चन्दरपुर प.ह.न. 22, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश कुमार अग्रवाल पिता सजन अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव, जिला- जशपुर (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम चन्दरपुर प. ह. नं. 22 स्थित आवेदित भूमि ख.नं. 45/1 रकबा 0.1540 हे., (1540 वर्गमीटर) का औद्योगिक प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 10.12.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय /स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। प्रयोजनार्थ ले-आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्थ सहित समयावधि में दिनांक 10/12/2025 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेषानुसार निराकरण किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/11/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी
पत्थलगांव जिला-जशपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

-:: ईश्तहार ::-

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम कुंजनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री पटवारी आ. श्री बाबूलाल, जाति-रजवार, निवासी ग्राम कुंजनगर तहसील लटोरी. जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम कुंजनगर, प.ह.नं. 04. रा.नि.मं. विश्रामपुर, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 912 रकबा 0.17 हे. में से 0.04 हे. कृषि भूमि को आवसीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 08/12/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 21/11/2025 को न्यायलयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

-:: ईश्तहार ::-

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम डुमरिया को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री संतोष कुमार विश्वकर्मा आ. श्री धनपत राम, जाति-लोहार, निवासी ग्राम डुमरिया तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम डुमरिया, प.ह.नं. 05, रा.नि.मं. बसदेई, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 235/10, 268/3 रकबा 0.010, 0.010 हे., कृषि भूमि को आवसीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 08/12/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 21/11/2025को न्यायलयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम भवराही प.ह.न. 06

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमरजीत पिता जयमालू जाति गोंड निवासी ग्राम.भवराही प.ह.न. 06 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के चाचा बहाल आ ड्ड दयाराम का मृत्यु दिनांक 10/06/2014 को ग्राम भवराही में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने चाचा बहाल आ ड्ड दयाराम का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत भवराही को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिस के संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 27/11/2025 तक आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक जारी किया गया। 13/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से

नायब तहसीलदार तहसील
भैयाथान जिला सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202511020700085/

विषय :- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [2783/1(0.008080)]
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार - मो० मिस्टर खान,
अनावेदक पक्षकार सरदार महेन्द्र सिंह बग्गा,

ईश्तहार

आवेदक मो० मिस्टर खान पिता अब्बु सलाम खान निवासी रसूलपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग ० के दिनांक 29.03.2014 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2783/1 मे से रकबा 0.008 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध विक्रय पत्र उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 15/12/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोर्ड विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/11/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र० //अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक मनोज कुमार यादव आ० स्व० कृतनारायण यादव, राजेश कुमार यादव आ० स्व० कृतनारायण यादव दोनो निवासी महावीरपारा डी०सी० रोड अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की सीट नम्बर 4 मोहल्ला महावीरपारा नगर अम्बिकापुर, स्थित नूजल प्लाट नम्बर 1893/33, 1893/45 रकबा कमशः 0.03, 0.01,1/2 एकड़ भूमि एवं मकान को बैंक बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-10/12/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांकः- 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202510020700088/

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
फुन्दुरडिहारी प.ह.न. 00016 [130/37(0.1460 हे0)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार सत्येन्द्र सिन्हा,

अनावेदक पक्षकार - सरिता, रोशनी, सत्येन्द्र कुमार,

ईश्तहार

आवेदक सत्येन्द्र सिन्हा आ०स्व० सिद्धेश्वर प्रसाद सिन्हा निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 130/37 रकबा 0.214 है० भूमि के राजस्व अभिलेखों में अनावेदकगण का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 15/12/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा.)/ सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

-:: ईश्तहार ::-

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक हेमन्त कुमार एक्का पिता स्व. मदन एक्का, जाति-उरावं, निवासी ग्राम नवापारा सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम सूरजपुर, प.ह.नं. 11, रा.नि.मं. सूरजपुर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 1512/6, रकबा 0.200, हे. में से 0.04 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 08/12/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।आज दिनांक 21/11/2025 को न्यायलयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

बदल रहा मौसम का मिजाज
बढ़ती गर्मी-घटती सर्दी

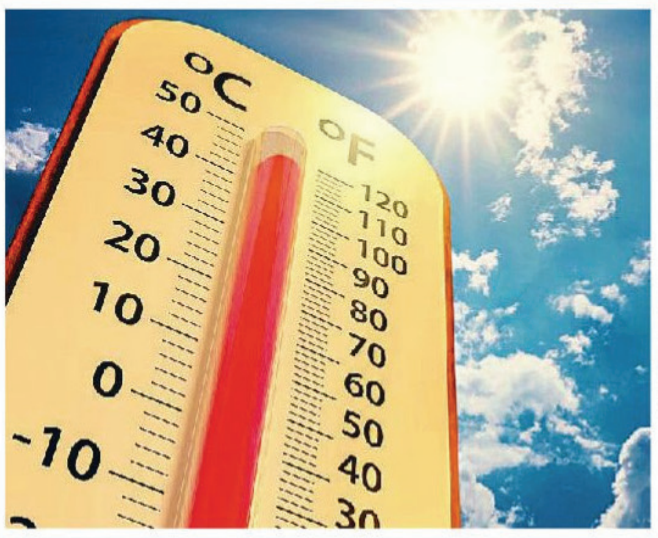

हालांकि इस वर्ष आने वाले दिनों के लिए कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना बताई जा रही है। लेकिन जिस तरह से मौसम का मिजाज वैश्विक स्तर पर बदल रहा है, उससे आगामी वर्षों में सर्दी की अवधि और उसकी तीव्रता घटती जाएगी। इसके उलट वर्षा कम होगी और गर्मी की तपिश बढ़ती जाएगी। इसके कई दुष्प्रभाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में प्रभावी नीति बनाने के साथ सामूहिक प्रयास भी करने होंगे।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

सर्दी धीरे-धीरे बढ़ रही है। मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार आने वाले दिनों में उत्तरी भारत में प्रबल शीत लहर की आशंका है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस साल जबरदस्त ठंड पड़ेगी। वजह होगी पर्याप्त वर्षा और अलनीनो प्रभाव। मगर क्या इस दौरान हम कड़कड़ाती सर्दियों वाले दिनों के लंबे दौर भी देखेंगे? यह भी आशंका है कि ठेठ ठिठुरन वाले दिन कुछ कम ही रहेंगे। सर्द रातों और ठंडी हवाओं का कम होना, केवल मौसम का प्रश्न नहीं बल्कि जीवन के संतुलन से भी जुड़ा है। यदि सरकारों ने वैज्ञानिक नीतियों को जनजीवन से जोड़ने की गति नहीं बढ़ाई और आम लोगों ने जरूरी सहभागिता नहीं की तो आने वाले वर्ष 2100 तक भारतीय उपमहाद्वीप का मौसम ऐसा होगा, जहां 'गर्मी ही सामान्य' और 'सर्दी एक दुर्लभ अनुभव' रह जाएगी।

आने वाले वर्षों में घटेगी सर्दी

संयुक्त राष्ट्र संघ एन्वॉयर्नमेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट की रिपोर्ट बताती है कि 1980 से 2020 के बीच यानी चालीस सालों में बेहद ठंडी रातों और अत्यंत सर्द दिनों की संख्या में चार गुना की कमी आई है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते जमीनी सतह का तापमान बढ़ने से बाकी दिनों में भी ठंड सामान्य ही रह रही है। ऐसे में घने कोहरे वाले दिन भी साल दर साल घट रहे हैं। यदि मौजूदा रुझान जारी रहा तो साल 2050 तक भारत में भीषण सर्दी वाले दिनों में 60 से 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आने और गर्मी वाले दिनों में तीन गुना बढ़ोत्तरी की आशंका है।

ठंड की अवधि होती जाएगी कम

नेचर पत्रिका के अध्ययन के अनुसार 2080 से 2100 के बीच गर्म दिनों और रातों की घटनाएं सात गुना तक बढ़ेंगी। इस कारण 'कड़ाके की ठंड के दिन' लगभग विलुप्त हो सकते हैं। फिलहाल यह तय है कि अब सर्दियां 'पिछली शताब्दियों जैसी लंबी और स्थायी' नहीं होंगी। ठंड की अवधि कुछ कम और तीव्रता अस्थाई रहेगी। अल्पकालिक मौसमी उतार-चढ़ाव बने रहने के साथ सर्दी में भी कभी-कभी बारिश, गर्मी और पश्चिमी विक्षोभ के जैसे मौसम के अतिरेकी तेवर देखने को मिलेंगे। पांच-सात दशकों के बाद सर्दी का लगभग लोप हो जाना भविष्य के लिए कितना विनाशकारी होगा, इसका अंदाजा भी भयावह है।

बदल रहा है मौसम का चक्र

इस बात के संकेत अब स्पष्ट होने लगे हैं कि हिमालय से लेकर दक्षिण तक मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है। भारत 'गर्मी प्रधान देश' बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में कई जगहों पर बीते एक-दो दशकों के बीच तापमान में सामान्यतः तीन डिग्री तक की बढ़त देखी गई है। कमोबेश यही हाल हिमाचल और कश्मीर का भी है। वैज्ञानिकों के अनुसार भारत में न्यूनतम तापमान प्रति दशक औसतन 0.2 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ता जा रहा है। इसका मतलब है कि ठंडी हवाएं चलने की अवधि सिमटती जा रही है, जबकि गर्म रातें अब लंबी चलती हैं। इसका नतीजा यह है कि मिट्टी में नमी दिन-प्रतिदिन घट रही है। पेड़ कटने से हवा की नमी भी कम हो रही है। उधर जलस्रोत सूख रहे हैं, तो नदियों और पहाड़ी जलस्रोतों का पुनर्भरण कम हो रहा है और इसके चलते वर्षा चक्र अस्थिर हो गया है।

फसलों पर दिख रहा असर

हिमालयी और पर्वतीय राज्यों में इसका असर अब साफ दिख रहा है। सेब, केसर और बागवानी की अन्य फसलें जो ठंडी रात-दिन के अंतर पर निर्भर हैं, उनका उत्पादन गिरने लगा है। सेब के फूल बिन मौसम खिल जा रहे हैं, तो उनके पकने और रसीले होने के लिए जो कड़क सर्दी चाहिए, वह उनको लगातार कुछ दिनों तक नहीं मिल रही, सो गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ रहा है। किसान अब कम ऊंचाई पर 'ऊष्णकटिबंधीय फसलें', बाजरा और मक्का उगाने को मजबूर हैं, जिससे पहाड़ी कृषि की पारंपरिक पहचान मिटती जा रही है। फूलों और औषधीय पौधों की जैवविविधता भी खतरे में है, उनकी रासायनिक गुणवत्ता, औषधीय प्रभावशीलता भी कम हो रही है, क्योंकि तापमान बढ़ने से परागण और फूलने का समय असंतुलित हो गया है, उनके रासायनिक संघटक बदल जा रहे हैं।

स्वास्थ्य-पर्यावरण पर पड़ेगा असर

पर्यावरणविद और मौसम विज्ञानी दोनों इस बात पर सहमत हैं कि बदलते मौसम की वजह से नमी विहीन सूखी गर्म हवाओं की अवधि 2050 तक दोगुनी हो सकती है। यह बदलाव खेती किसानी से लेकर जीवन के लिए आवश्यक जैविक सूक्ष्मजीवों के पनपने में असंतुलन तो पैदा करेगा ही, साथ ही कीट-रोगों के फैलाव जैसी समस्याएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 2030 तक भारत में गर्मी से उपजी बीमारियों से मरने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ सकती है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां नए क्षेत्रों में भी पैर पसारेंगी। विशेष रूप से वृद्धजन, बच्चे और मजदूरी करने वाले सबसे अधिक जोखिम में हैं। जाहिर है इस प्रक्रिया से जनधन दोनों को बहुत नुकसान होगा। जंगलों में आग को भी इससे हवा मिलेगी। इस तरह सर्द रातों का घट जाना सिर्फ मौसम परिवर्तन नहीं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन के अस्थिर होने का संकेत है।

होगा भारी आर्थिक नुकसान

भीषण सर्दी वाले दिनों के दौर कम होने से पैदा जलवायु असंतुलन का सीधा नुकसान अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तंत्र पर पड़ेगा। बताते हैं, वैश्विक तापमान में चार डिग्री सेल्सियस का इजाफा, अर्थव्यवस्था को 40 फीसदी कमजोर कर देगा। अनुमान है कि जलवायु आपदाओं के कारण देश को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 फीसदी तक घट सकता है। अगर दुनिया वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखने में सफल भी हो जाती है, तो इसकी वजह से प्रति व्यक्ति औसत जीडीपी में 16 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

बढ़ेंगी प्राकृतिक आपदाएं

घटती सर्दी, बढ़ती गर्मी के कारण श्रम उत्पादकता में कमी, जीडीपी को कम करेगी। फ्लैश फ्लड, बादल फटने एवं बाढ़ तथा भू-स्खलन की घटनाओं की संख्या और भयावहता दोनों बढ़ेंगी तो अवसंरचना को नुकसान होगा। इसका परोक्ष प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। *

बनना होगा एन्वॉयर्नमेंटल कॉन्शस

एन्वॉयर्नमेंटल मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्टों ने भारत की जलवायु को लेकर जो गंभीर चेतावनी दी है, उसके प्रति सरकार और जनमानस में कितनी चिंता है, इसके प्रति उनका सरोकार कैसा है यह तो निकट भविष्य में पता चलेगा। लेकिन अब समय आ गया है कि सरकारों को इसके लिए बहुस्तरीय तैयारी करनी होगी। शहरों में 'ग्रीन बेल्ट' और कूलिंग-कॉरिडोर नीति को अनिवार्यतः लागू करना होगा। पर्वतीय राज्यों में जलवायु अनुकूल कृषि, जल संरक्षण, ग्लेशियर तथा निगरानी प्रणालियां बढ़ानी होंगी। शहरी इलाकों में हरित आवरण, वर्षा जल संचयन और ऊर्जा दक्ष भवनों को बढ़ावा देना होगा। जलवायु परिवर्तनों को सह सकने वाली फसलों के अनुसंधान को बढ़ावा मिलना चाहिए। जंगलों की कटाई पर रोक लगे। पर्यावरणीय चेतना को प्राथमिकता दिए बिना इस आसन्न संकट से बचाव कठिन है।

हम जैसा भोजन करते हैं, उससे हमारे स्वास्थ्य पर ही नहीं पर्यावरण पर भी असर होता है। कई स्टडीज में साबित हुआ है कि प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट, हमारी हेल्थ और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। इस बारे में जानिए।

प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट
स्वस्थ जीवन-सुरक्षित पर्यावरण

जीवनशैली
मोनिका सिन्हा

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में जहां जंक फूड, नॉनवेज फूड्स और अत्यधिक प्रिजर्व्ड फूड्स हमारी थाली का हिस्सा बन चुकी हैं, वहीं वैज्ञानिक शोध बार-बार यह सिद्ध कर रहे हैं कि प्लांट आधारित भोजन यानी पौधों से उत्पन्न होने वाली डाइट, हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम भी काफी हद तक कम करता है।

स्टडीज में हुआ खुलासा: जुलाई 2024 में वी. वियालोन और उनके सह-लेखकों द्वारा प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में यह बताया गया कि जिन लोगों की जीवनशैली में धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन, असंतुलित खान-पान और अनियमित नींद जैसी आदतें शामिल नहीं थीं, उनमें टाइप 2 डायबिटीज, कैंसर और हृदय संबंधी रोगों का खतरा बहुत कम पाया गया। यह अध्ययन 'स्वस्थ जीवनशैली सूचकांक' पर आधारित था और इसका उद्देश्य यह समझना था कि व्यक्ति की आदतें उसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव डालती हैं।

कई बीमारियों से बचाए: प्लांट बेस्ड डाइट के फायदों को जानने की दिशा में किए गए डॉ. डी सुब्रमणियन के एक रिसर्च पेयर में यह बताया गया कि पौधों पर आधारित आहार लेने वाले लोगों में कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है। इस अध्ययन में डेनमार्क, दक्षिण कोरिया, स्पेन और ब्रिटेन सहित कई देशों के लगभग चार लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों और मेवों पर आधारित भोजन लेते हैं, उनमें 'मल्टीमॉर्बिडिटी' अर्थात एक साथ दो या अधिक दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा, काफी घट जाता है। शोध में यह भी पाया गया कि प्लांट आधारित आहार इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है, जिससे शरीर में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित रहता है और मेटाबॉलिक बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है।

कई पोषक तत्वों से होता है भरपूर: पौधों पर आधारित आहार उच्च फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है और कोशिकाओं को क्षति से बचाता है। अध्ययन से यह भी सिद्ध हुआ कि जो लोग नियमित रूप से फल, सब्जियां और अनाज का सेवन करते हैं, उनमें बीपी, कोलेस्ट्रॉल, स्ट्रोक, हृदयाघात और टाइप 2 डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है।

होता है ईकोफ्रेंडली: प्लांट आधारित भोजन का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है। मीट, मछली और अंडे जैसे पशु आधारित भोजन की तुलना में पौधों पर आधारित भोजन से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत कम होता है। इसका सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संतुलन से है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टि से मेडिटेरेनियन आहार को दुनिया के कई देशों में स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, परंतु उसमें मछली और चिकन का उपयोग होता है। इसके विपरीत वीगन आहार में किसी भी पशु उत्पाद यहां तक कि दूध का भी उपयोग नहीं किया जाता। इस दृष्टि से प्लांट आधारित या वीगन आहार स्वास्थ्य के साथ-साथ नैतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अधिक उपयुक्त माना जाता है।

करना चाहिए प्रोत्साहित: अगर हम भारत की बात करें तो यहां लगभग 35 प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। वे अनाज, दालें, फल और सब्जियों को अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करते हैं। इनमें से कुछ लोग दूध और दुग्ध उत्पाद भी लेते हैं, जबकि लगभग 10 प्रतिशत लोग पूरी तरह वीगन डाइट लेते हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि भारत की शहरी आबादी का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह से पीड़ित है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्री डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अस्वस्थ खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। अब समय आ गया है कि हमारे नीति निर्माता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और आम नागरिक प्लांट आधारित आहार के महत्व को समझें। विद्यालयों, कार्यस्थलों और अस्पतालों में प्लांट आधारित भोजन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लोगों को यह बताया जाना आवश्यक है कि मांस और तले हुए भोजन की जगह ताजे फल, सब्जिया, दालें और साबुत अनाज को अपनी थाली में शामिल करना फायदेमंद है। वर्तमान समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में प्लांट आधारित भोजन केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आवश्यकता है। यह न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नैतिक जीवनशैली की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। अब समय है कि हम अपने भोजन के प्रति सचेत हों। प्लांट आधारित भोजन को अपनाकर हम न केवल अपना स्वास्थ्य सुधार सकते हैं, बल्कि धरती को भी अधिक सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। *

नवगीत
डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बेवा जैसी रातें

दिन पाए हैं ऊसर जैसा
बेवा जैसी रातें
काट रहे हैं हर लम्हे को
बेमन से अकुलाते।

जहर उगलते रहे हमेशा
समझे जिनको चंदन
व्यर्थ गई पूजा-उपासना
व्यर्थ गया हर वंदन
सारा जीवन होम कर दिया
फिर भी नहीं अघाते।

रोज हवाएं लाया करतीं
हैं खबरें भड़कीली
छाया है आतंक दिलों में
सबके पास है तीली
ताने मारा करती हैं अब
ऋतुएं आते-जाते।

मुंह में राम बगल में छुरी
लेकर सब चलते हैं
मान चुके हैं जिनको अपना
उनको भी खलते हैं
पीछे लोग किया करते हैं
किसिम-किसिम की बातें।

लघुकथाएं

कंपोस्ट

समाज सेवा के क्षेत्र में बृजेश जी के योगदान से प्रभावित वह उनसे मिलने उनके घर पहुंचा। लेकिन वहां पहुंचकर उसे बृजेश जी के व्यवहार और जीवनशैली में अलग ही रंग नजर आया।

'दो सौ पांच .. दो सौ छह.. और यह दो सौ सात पता तो यही है, लेकिन यह मकान तो नहीं लग रहा।' मकान खोजते हुए मैं सोच रहा था। तभी नेमप्लेट पर नजर पड़ी- ब्रजेश आहूजा 'हम्म यही है।'

दरअसल, आठ-नौ वर्ष बाद मैं इस इलाके में आया था। इस बीच ये साधारण-सा घर न केवल सिंड्रेला की तरह कीमती लिबास पहन चुका था, बल्कि साथ वाले दो सौ आठ नंबर को डकार कर खासा मुटिया भी गया था। मकान की चार दीवारी के अंदर से झांकते अशोक के छोटे-छोटे पेड़ मानो, मुझे पहचानने की कोशिश कर रहे थे।

'जब मैं पिछली बार आया था तब तुम नहीं थे।' मैंने भी जतला दिया और घर के दरवाजे पर लगी घंटी बजा दी। ब्रजेश जी वर्षों से समाज-सेवा के लिए समर्पित हैं। गरीबों, बेसहारों और वंचितों के लिए तीन तो एनजीओ चलाते हैं, और इनके अतिरिक्त भी कई संस्थाओं के परामर्श-मंडल में शामिल हैं। आए दिन इस पुण्य कर्म हेतु पुरुस्कृत और सम्मानित भी होते रहते हैं। आज भी मैं अपनी संस्था द्वारा दिए जा रहे सम्मान का निमंत्रण लेकर ही उनके घर पर आया था।

गेट खुलने में ज्यादा देर नहीं लगी। खोलने वाला अशोक के पेड़ों से पुराना था, सो उसने आदर से अंदर आने के लिए कहा। अंदर घुसते ही मकान के वैभव से थोड़ी चमत्कृत-सी आंखें इधर-उधर टोहने लगीं तो बृजेश जी अपने बगीचे के एक कोने में खड़े नजर आए। शाम के छह बज रहे थे। एयर कंडीशनर की ठंडी हवा खाने के अरमान को जब्त करते हुए मैंने बृजेश जी का अभिवादन किया और अपने चेहरे पर उभर आया पसीना पोंछते हुए यह बोल ही दिया, 'बृजेश जी! इतनी गर्मी में घर से बाहर यहां?'

'अरे! आओ-आओ मित्र! हम तो सेवक ठहरे। हमारे लिए क्या गर्मी वर्मी, वैसे कंपोस्ट बना रहे हैं। सरकार तो अब जागी है, हम तो कब से पर्यावरण के लिए प्रयासरत हैं।' उन्होंने सगर्व कहते हुए अपने सामने खोदे गए लगभग तीन फीट गहरे और ढाई फीट चौड़े एक गड्ढे की ओर संकेत किया। तभी घर के अंदर से उनका बावर्ची एक थाली में सब्जियों और फलों के ढेर सारे छिलके लाया और उस गड्ढे में डाल कर चला गया। तब तक माली बगीची से बटोरी सूखी पत्तियां ले आया था। उसने वो पत्तियां उस गड्ढे में डालीं और फिर बृजेश जी के इशारे पर उस पर मिट्टी की एक मोटी परत लगा दी।

'ये जैविक कचरा भी न, बड़े काम का होता है। ये जो लहलहाती बगिया देख रहे हो न, ये इसी से बनी कंपोस्ट का कमाल हैं।' बृजेश जी मुझे बताने लगे। तभी, उनके सेकरेट्री ने एनजीओ के किसी विदेशी दानकर्ता के कॉल पर होने की सूचना देते हुए फोन उनके हाथों में पकड़ा दिया। वो फोन पर बात करते हुए 'हे..हे..' करते हंस रहे थे और मेरी नजर बगिया से हटकर अब उनकी आलीशान कोठी पर टिक गई थी। *

– शोभना श्याम

सच्चाई

'देखो नीलिमा, मुझे गांव जाना ही पड़ेगा। पिताजी इस दुनिया में नहीं रहे। उनके अंतिम संस्कार में तो नहीं जा पाया था लेकिन अब तेरहवीं में तो कम से कम जाना ही पड़ेगा। अरे भई, दुनिया को दिखाने के लिए जाना ही पड़ेगा। वरना लोग मुझे क्या कहेंगे? तुम बेबी के बर्थ-डे पार्टी को अच्छी तरह अरेंज कर लेना।'

तभी आठ वर्षीया बेबी वहां दौड़ती हुई आई और पापा से लिपटते हुए बोली, 'पापा आप कहां जा रहे हैं, मेरी बर्थ-डे पार्टी में आप नहीं रहेंगे क्या?'

यह सुनकर नीलिमा ने क्रोध भरे स्वर में कहा, 'तुम्हारे पापा अपने पिताजी की मरनी में जा रहे हैं। इन्हें तो हमारी कोई फिक्र ही नहीं है। अरे ऐसे व्यक्ति के मरने-जीने से हमें कोई मतलब नहीं रखना चाहिए। तुम्हारे पिताजी ने अपनी पूरी जमीन-जायदाद तुम्हारे छोटे भाई के नाम कर दी। तुम्हें क्या मिला? फिर भी तुम पिता की तेरहवीं में जाने के लिए परेशान हुए जा रहे हो।' अपने दादाजी के लिए मम्मी के मुंह से कटु वचन सुनकर बेबी को अच्छा नहीं लगा। वह रोते हुए अपनी मम्मी से बोली, 'दादाजी कितने अच्छे थे। एक बार यहां आए थे तो मुझे और चीकू भैया को कितना प्यार करते थे। हमें अच्छी-अच्छी कहानियां सुनाया करते थे। मैं भी पापा के साथ गांव जाऊंगी।'

नीलिमा ने गुस्से में कहा, 'बेबी तुम कहीं नहीं जाओगी। तुम्हारा बर्थ-डे है न। गांव में तुम्हारे पापा, चाचा सब देख लेंगे।'

'मम्मी, आप इसलिए नाराज हो न दादाजी से कि उन्होंने पापा को जमीन नहीं दिया। चाचू को सब दे दिया। पर दादाजी क्या करते। आप लोग तो दादाजी को यहां बुलाते भी नहीं थे, न ही गांव उनसे मिलने जाते थे। चाचू तो दादाजी को हॉस्पिटल ले जाते थे, उनकी अच्छी तरह देखभाल करते थे।'

कुछ ठहरकर बेबी ने बड़ी मासूमियत से पूछा, 'मम्मी, क्या पापा के मरने पर चीकू भैया भी नहीं आएंगे।' यह सुनकर बेबी के मम्मी-पापा अवाक रह गए। *

-डॉ. शैल चंद्रा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रकृति से आबद्ध काव्याभिव्यक्तियां

वर्तमान हिंदी काव्य परिदृश्य में ज्ञानेंद्रपति, वरिष्ठतम पीढ़ी के प्रतिष्ठित कवियों में शामिल हैं। वह जीवन-संवेदना की जिस भावभूमि पर उतरकर कविता रचते हैं, उनकी अभिव्यक्ति दार्शनिक आख्यान बन जाती है। इस बात को प्रमाणित करती हैं, हाल में छप कर आए उनके नवीनतम कविता संग्रह 'प्रकृति और कृति' की कविताएं। यहां उनकी कविताओं में प्रकृति के तमाम घटक सहजता से आवाजाही करते हैं और हमें कुदरत को देखने का सर्वथा नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। *'तुम चले गए/और तुम्हारे साथ मेरे जीवन का संगीत चला गया।'* (एक चिड़े के लिए अशोक गीत) और *'निफूले जीवन में भी/किसी फूल की सुगंध उठकर/नथुनों तक आती है/कभी कभी'* (चुपचाप) जैसी पंक्तियां इस बात का सघनता से अहसास कराती हैं कि प्रकृति से दूर होकर हमारा जीवन, निरंतर जीवंतता खोता जा रहा है। कितने मनोहारी और आनंदमयी अनुभूतियों से हम वंचित होते जा रहे हैं। कुछ कविताओं में वे बिल्कुल अलग तेवर में अपनी बात को पूरी सशक्तता से हमारे सामने रखते हैं। *'किताबें मनुष्यता की रीढ़ की उदग्र हड्डी बन चुकी हैं/ कोई भी अमानुषिक ताकत जिसे क्षत-विक्षत कर ले/क्षैतिज नहीं कर सकती।'* (मनुष्यता की रीढ़) *

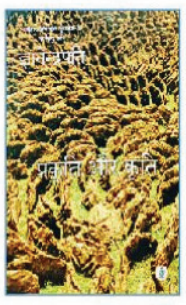

पुस्तक: प्रकृति और कृति (कविता संग्रह), **रचनाकार:** ज्ञानेंद्रपति, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

बच्चे ने होमवर्क नहीं किया तो नाराज मेडम ने मासूम को दी अमानवीय सजा

0 टीशर्ट के सहारे एलकेजी के बच्चे को पेड़ से लटकाया, स्कूल पहुंचे बच्चे के परिजनों ने जमकर किया हंगामा
0 जिले में मचा हड़कम्प, मौके पर पहुंचे शिक्षा अधिकारी, आला अफसरों को सौपी गई जांच रिपॉर्ट
0 एन.एस.यू.आई. प्रदेश सचिव एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शिक्षिका व स्कूल पर की कार्रवाई की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एलकेजी के एक बच्चे को बातौर सजा पेड़ से लटकाने को लेकर पूरे जिले में हड़कंप मच गया। रामानुजनगर ब्लॉक के नारायणपुर के आमापारा का यह मामला है।जहाँ हंसवाहिनी विद्या मंदिर नामक एक निजी स्कूल में पढ़ने वाले एलकेजी के एक छात्र को विद्यालय की मेडम ने ऐसी अमानवीय सजा दी कि पूरे जिले में हड़कंप मच गया। बताया गया है कि बच्चा पढ़ने में दिलचस्पी नही दिखा रहा था और होमवर्क भी नही किया था। इससे मेडम जी इतनी भड़की की बच्चे को पेड़ पर उसके टी शर्ट के सहारे लटका दिया। पेड़ पर बच्चे का लटकने का गांव के ही एक शख्स ने वीडियो बना लिया और वायरल कर दिया जिससे जिले में हड़कंप मच गया। दुसरीं और इसकी जानकारी लगने पर बच्चे के परिजन भी स्कूल पहुँच गए और जमकर हंगामा किया। जिससे शिक्षका तो टूट गई और गलती पर माफी मांगने लगी किंतु विद्यालय के संचालक इस सजा को जायज ठहराने लगे। इधर घटना की जानकारी लगते ही शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुँचे। बताया जा रहा है कि अधिकारियों ने अपनी जांच रिपोर्ट जिले के आलाअफसरों को सौंप दी है। इस पर क्या कार्रवाई की जाती है यह देखने वाली बात होगी। दूसरी ओर एन.एस.यू.आई. प्रदेश महासचिव एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला शिक्षा अधिकारी को उक्त मामले को संज्ञान में लाते हुए संबंधित शिक्षिका व स्कूल पर दंडात्मक कार्यवाही कर न्यायहित में उचित एवं आवश्यक कदम उठाने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा है। उचित कार्यवाही नहीं किए जाने पर एन.एस.यू.आई. के द्वारा आंदोलन की बात कही गई है।ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से रामानुजनगर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप साहू, पीसीसी प्रदेश महासचिव (अ. वि.) सैय्यद आमिल, युवा कांग्रेस जिला महासचिव अदनान सिद्दीकी, छात्रनेता अखलाक वारसी, राजू पाटले, विनोद सिंह, उत्कृष्ट गुप्ता, वसीम अली, असद अहमद, समीर, फरहान उपस्थित रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण में असत्य गणना प्रपत्र भरना दंडनीय

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य में 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि को देखते हुए मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य 4 नवंबर 2025 से प्रारंभ हो गया है। निर्वाचको को गणना प्रपत्र का वितरण लगभग पूर्ण कर लिया है और वर्तमान में गणना प्रपत्रों के संग्रहण व डिजिटलीकरण का कार्य प्रगति पर है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में सहयोग दें।

यदि मृत व्यक्ति या ऐसे व्यक्ति के संबंध में गणना प्रपत्र जमा करना, जो अब भारतीय नागरिक नहीं रहा है या ऐसे निर्वाचक जिनका नाम मतदाता सूची में एक से अधिक स्थानों पर दर्ज है, और वह एक से अधिक स्थानों के संबंध में गणना प्रपत्र जमा करता है और इस प्रकार गणना प्रपत्र में गलत या असत्य जानकारी की घोषणा करता है जो कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम,1950 की धारा 31 के तहत दंडनीय है। पुनरीक्षण कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की शंका या सहायता के लिए कंट्रोल रूम 1950 में संपर्क किया जा सकता है।

मदनेश्वरपुर स्कूल में शाला त्यागी बच्चे का कराया गया पुन: प्रवेश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन और जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा के मार्गदर्शन में प्राथमिक शाला उरांव पारा मदनेश्वरपुर के प्रधान पाठक संजय साहू द्वारा गांव में सघन अभियान चलाया गया, जिससे एक भी बच्चा विद्यालय और शिक्षा से दूर न रहे, उनके इस कार्य में जनपद सदस्य संध्या रजवाड़े ने भी सहयोग दिया और आज एक बच्चा जो विद्यालय और शिक्षा से विमुख हो चुका था उसे शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने हेतु माध्यमिक शाला मदनेश्वरपुर में कक्षा छठवीं में प्रवेश दिलाया गया । सती सिंह जिसके माता पिता का स्वर्गवास हो जाने के कारण शिक्षा की मुख्यधारा से दूर हो चुका था, पूछताछ करने पर जब बच्चे द्वारा पढ़ने की इच्छा जताई गई तो तत्काल ही जनपद सदस्य द्वारा प्रधान पाठक से सम्पर्क कर उसका पुन: विद्यालय में प्रवेश दिलाया गया। बच्चे को मंडल अध्यक्ष पवन सिंह और जनपद सदस्य के हाथों से नि:शुल्क पुस्तक और गणवेश देकर विद्यालय में स्वागत किया। शिक्षकों द्वारा लगातार ये प्रयास किया जा रहा है कि कोई बच्चा शाला त्यागी न रहे और शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़ा रहे। मंडल अध्यक्ष द्वारा शिक्षक की इस पहल की सराहना की गई और आशा व्यक्त की गई इनका प्रयास आगे भी जारी रहेगा। इस दौरान मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, जनपद सदस्य संध्या रजवाड़े, संकुल समन्वयक राघवेंद्र दुबे, प्रधानपाठक संजय साहू सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक मौजूद रहे।

धान खरीदी में पारदर्शिता हेतु अवैध धान आवक पर लगातार कार्यवाही जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी शुरू हो चुकी है। कलेक्टर श्री राजेंद्र के निर्देशन में धान के अवैध परिवहन एवं संग्रहण पर लगातार कार्यवाही की जा रही है।

इसी कड़ी में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामानुजगंज श्री आनंद राम नेताम के नेतृत्व में राजस्व एवं संयुक्त टीम के द्वारा एक पिकअप (25 बोरी) धान, संजय गुप्ता निवासी त्रिसूली से जप्त कर थाना सनावल में सुपुर्द किया गया।

गणना पत्रक भरने में नहीं है कोई स्पेशल पेन की जरूरत- निर्वाचन आयोग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत निर्वावन आयोजन के द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में 04 नवंबर से 04 दिसम्बर 2025 तक मतदाताओं के गणना पत्रक वितरण तथा मतदाताओं से गणना पत्रक वापस प्राप्त कर डिजिटाईजेशन का कार्य संपादित कराया जा रहा हैं। मतदाताओं के द्वारा गणना पत्रक भरने में कुछ मतदाताओं के मध्य यह भ्रांति फैलाया जा रहा है कि विशेष रंग की स्याही या पेन से ही भरा जायें अन्यथा फार्म स्वीकार नहीं होंगें। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गणना पत्रक भरने हेतु किसी स्याही विशेष का उपयोग मतदाताओं या बूथ लेवल अधिकारियों को किये जाने हेतु कोई निर्देश नहीं दिये गये है। किसी स्याही विशेष का उपयोग किये जाने की खबर पूर्णत: भ्रामक हैं।

प्रशासन की टीम ने व्यवसायी के गोदाम व ट्रेक्टर से जप्त किया 112 क्विंटल अवैध धान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन में जिले में अवैध धान को लेकर लगातार कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में एसडीएम भैयाथान श्रीमती चांदनी कंवर के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम रजबहर, तहसील भैयाथान में छापेमारी की बड़ी कार्रवाई की है। कार्रवाई के दौरान एक व्यापारी के गोदाम में 220 बोरा धान करीब 88 क्विंटल बिना किसी वैध दस्तावेज के भंडारित पाया गया। दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने पर गोदाम को सील करते हुए धान को जप्त किया गया। इसके अलावा कार्रवाई के दौरानग्राम भांडी, तहसील ओड़गी निवासी एक किसान द्वारा उक्त व्यापारी के गोदाम से 80 बोरा धान 32 क्विंटल क्रय कर परिवहन किया जा रहा था। इस पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए 80 बोरा धान सहित ट्रैक्टर को जप्त कर थाना झिलमिली के सुपुर्द किया गया।

इस कार्रवाई के दौरान तहसीलदार, नायब तहसीलदार राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित थे। कलेक्टर एस जयवर्धन ने कहा है कि जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

जिले में अब तक की गई 25,437.6 क्विंटल धान की खरीदी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शासन के मंशानुरूप जिले में इस वर्ष धान खरीदी तिहार सुचारू और पारदर्शी तरीके से चल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की किसान हितैषी नीतियों और जिला प्रशासन की लगातार निगरानी का सकारात्मक असर खरीदी व्यवस्था में साफ दिखाई दे रहा है। उपार्जन केंद्रों में तुलाई, बारदाना, भुगतान और स्टाफ की व्यवस्था बेहतर है, जिससे किसानों को बिना किसी परेशानी के आसानी से धान विक्रय करने में सफलता मिल रही है। 31सौ रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य मिलने से किसानों में उत्साह नजर आ रहा है। खाद्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले में अब तक 25,437.6 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। खरीदी व्यवस्था सुव्यवस्थित रहने के कारण किसान निर्धारित तारीख व समय पर पहुंचकर संतोषपूर्वक धान बेच रहे हैं। मोबाइल के माध्यम से टोकन लेने की सुविधा किसानों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है। उपार्जन केंद्रों में लंबी लाइन लगाने की जरूरत खत्म हो गई है और किसान अपने निर्धारित समय पर पहुंचकर धान विक्रय कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक कुल 474 टोकन जारी किए गए, जिसमें समिति द्वारा 125 टोकन जबकि ऐप के माध्यम से 349 टोकन जारी किए गए हैं। इन्हीं टोकनों के आधार पर अब तक की गई कुल खरीदी 25,437.6 क्विंटल की गई है। समिति के द्वारा जारी टोकन से 6,279.2 क्विंटल धान जबकि ऐप के माध्यम से जारी टोकन से 19,158.4 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। तुंहर टोकन ऐप किसानों के लिए सबसे सुविधाजनक माध्यम बनकर उभरा है और खरीदी व्यवस्था को पहले से अधिक तेज, भरोसेमंद और सुव्यवस्थित बना रहा है। जिला प्रशासन ने किसानों से अनुरोध किया है कि वे टोकन में दिए गए समय पर उपार्जन केंद्र पहुंचकर धान विक्रय करें और पूरी तरह व्यवस्थित खरीदी प्रक्रिया का लाभ उठाएं।

गौधाम स्थापना पश्चात सुविधाओं व पशुओं के संरक्षण की नियमित करें मॉनिटरिंग : जयवर्धन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला स्तरीय गौधाम समिति की बैठक सोमवार को कलेक्टर एस जयवर्धन की अध्यक्षता में यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में सम्पन्न हुई।बैठक में गौ धाम संचालन के लिए योजना निर्माण, संचालक का चयन करते हुए गौ धामों को शीघ्र प्रारंभ करने पर चर्चा की गई। साथ ही जिले में गौधामों के संचालन से संबंधित सभी महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा गौसेवा एवं संरक्षण की शपथ भी ली गई।

जिला स्तरीय गौधाम समिति की हुई बैठक

उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा गौ सेवा के लिए गौ सेवा धाम संचालन की योजना क्रियान्वित की जा रही है। बैठक में शहर एवं ग्राम क्षेत्रों में सड़क पर घूम रहे आवारा पशुओं की बसाहट एवं उनकी सुरक्षा को लेकर गहन चर्चा की गई। शासन द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुरूप गौधामों के संचालन के लिए उपायों एवं निर्धारित नियमों की समीक्षा की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आवारा पशुओं को शीघ्र सड़क से हटाकर गौधामों में सुरक्षित रखने की कार्यवाही को प्राथमिकता दी जाए ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

साथ ही जिले के गौधामों के संचालन हेतु विभिन्न संस्थाओं द्वारा कार्यालय उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएँ सूरजपुर को प्राप्त आवेदनों के निराकरण एवं समीक्षा पर विस्तृत चर्चा की गई। प्राप्त आवेदनों के आधार पर आगे की कार्ययोजना, स्वीकृतियों तथा क्रियान्वयन के दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए। गौधाम समिति के अध्यक्ष द्वारा किसानों से पैरा को न जलाने की अपील की गई तथा गौधाम में पैरा दान करने के लिए प्रेरित करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में समाज के विभिन्न समुदाय से भी गौमाता के प्रति संवेदनशीलता रखते हुए गौसेवा में सहयोग करने की अपील की गई। इसके अतिरिक्त गौधामों को रोजगार के केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई, जिसमें गौ-उत्पाद से गोबर खाद, कीटनाशक एवं अन्य वस्तुओं के निर्माण जैसे व्यवसायिक एवं आयमूलक गतिविधियों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने गौधाम स्थापना पश्चात गौधामों में सुविधाओं , पशुओं के संरक्षण की गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारी को भी निर्देशित किया कि पैरा एकत्र करने में अधिकारी कार्य करें तथा जनसहयोग के लिए आवश्यक जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने गौ उत्पाद के निर्माण एवं विक्रय के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला स्तरीय गौधाम समिति के अध्यक्ष विजय शर्मा, सदस्यों में प्रदीप झा, देवमन राजवाड़े, इन्द्रजीत देवांगन, रामनारायण यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएँ तथा सभी विकासखण्ड स्तरीय गौधाम समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्य सचिव उपस्थित रहे।

लक्ष्य अनुसार कार्य पूर्ण करने एवं मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

डाटा सेंटर पहुंच कर कलेक्टर ने किया डिजिटाइजेशन कार्य का अवलोकन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा जिले के तहसील लटोरी, जरही, भटगाँव व भैयाथान में एसआईआर कार्य प्रगति की मैदानी जांच की गई। उन्होंने डाटा सेंटर पहुंच कर डिजिटाइजेशन कार्य का अवलोकन भी किया और मौजूद संबंधितों को एंट्री का कार्य बारीकी से सूक्ष्म परीक्षण के साथ करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को लक्ष्य अनुसार कार्य पूर्ण करने एवं मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 का कार्य किया जा रहा है। सूरजपुर नगरीय निकाय क्षेत्र व जनपदों में ऑडियो प्रचार वाहन के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाताओं को गणना पत्रक भरने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही बीएलओ द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण वर्ष 2025 की मतदाता सूची के आधार पर सभी मतदाताओं को गणना पत्रक का घर-घर जाकर वितरण किया जा रहा है। यह गणना पत्रक सभी मतदाताओं को भरना अनिवार्य है। जिला निर्वाचन कार्यालय सूरजपुर में मतदाता हेल्पडेस्क की सहायता से मतदाताओं को 2003 की मतदाता सूची में नाम खोजने की सुविधा दी जा रही है।

मतदाता गणना पत्रक को पूर्ण रूप से भरकर 4 दिसम्बर के पूर्व बीएलओ के पास जमा करना होगा। बीएलओ द्वारा गणना पत्रक भरने में मतदाताओं की सहायता की जा रही है। बीएलओ 4 नवम्बर से 4 दिसंबर के बीच प्रत्येक मतदाता के पास अधिकतम तीन बार मतदाता द्वारा भरे गणना पत्रक प्राप्त करने के लिए जाएगे। गणना पत्रक ऑनलाईन पोर्टल Voter.eci gov.in के माध्यम से भी भरा जा सकता है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान वर्ष 2025 में दर्ज मतदाताओं की जानकारी वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मिलान किया जायेगा। इस दौरान मतदाता के स्वयं तथा उनके माता, पिता, दादा व दादी के नाम का मिलान 2003 की मतदाता सूची से हो जाता है, तो ऐसे मतदाताओं को किसी भी प्रकार के दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। विशेष गहन पुनरीक्षण वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नाम ऑनलाईन पोर्टल Voter.eci.gov.in पर सर्च करने के लिए उपयोग कर सकते है। इसके अतिरिक्त मतदाता वोटर हेल्प लाईन टोल फ्री नम्बर 1950 में संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है। मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 9 दिसम्बर को किया जायेगा। प्रारंभिक प्रकाशन में उन्ही मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएगे, जिनके गणना पत्रक बीएलओ या ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त होंगे। प्रारंभिक प्रकाशन उपरांत प्रकाशित मतदाता सूची हेतु दावा आपत्ति 8 जनवरी 2026 तक प्राप्त की जाएगी। दावा आपत्ति के निराकरण उपरांत अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी को किया जायेगा।

एनसीसी दिवस पर कैडेट्स ने दिया स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता का संदेश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं आदर्श बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 77वां एनसीसी दिवस सेवा, समर्पण और सामाजिक दायित्व के साथ अत्यंत प्रेरणादायी रूप में मनाया गया। एनसीसी कैडेट्स ने वृक्षारोपण अभियान तथा रिहंद नदी के छठ घाट में भव्य स्वच्छता अभियान संचालित कर पर्यावरण संरक्षण तथा जन जागरूकता का उदाहरण प्रस्तुत किया। कैडेट्स ने महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण कर हरियाली बढ़ाने की पहल की, वहीं दूसरी ओर रिहंद नदी के छठ घाट में विस्तृत सफाई अभियान चलाकर घाट परिसर, सीढ़ियों, तटों एवं आसपास के क्षेत्रों से कचरा एवं प्लास्टिक हटाकर स्वच्छता का मॉडल स्थापित किया। कैडेट्स की ऊर्जा, अनुशासन और प्रतिबद्धता ने उपस्थित जनसमूह को प्रभावित किया। यह व्यापक कार्यक्रम 1 सीजी बटालियन एनसीसी कोरबा के कमान अधिकारी कर्नल सेंथिल कुमार एस एवं एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अमित यादव के निर्देशन में संपन्न हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच.एन. दुबे, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ओम प्रकाश राजवाड़े के समन्वय तथा एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट दीपचंद एक्का, सेकंड ऑफिसर सुनील दत्त तिवारी एवं विकी विश्वकर्मा की मार्गदर्शक भूमिका ने कार्यक्रम को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। कैडेट्स ने कार्यक्रम के समापन पर स्वच्छता ही सेवा, पर्यावरण बचाओ भविष्य बचाओ और हरित भारत स्वच्छ भारत जैसे प्रभावशाली नारों के साथ जनमानस को पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी निभाने हेतु प्रेरित किया। महाविद्यालय एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ द्वारा सक्रिय भागीदारी ने अभियान की सफलता को और भी सुदृढ़ किया। 77वें एनसीसी दिवस का यह आयोजन सामाजिक सेवा, पर्यावरणीय चेतना और युवाओं की राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका का उदाहरण बना।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन
हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा
अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

डीजल चोर गैंग के 4 सदस्यों को पुलिस ने पचिरा टोल नाका में पीछा करके दबोचा

स्कार्पियो वाहन, डीजल और हमला के लिए रखे गए सामानों को जप्त की पुलिस

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खड़ी ट्रकों से डीजल चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह को पकड़ने में सरगुजा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गिरोह के 4 सदस्यों को पचिरा टोल नाका से गिरफ्तार किया है। कार्रवाई थाना कोतवाली, गांधीनगर, मणीपुर व साइबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम ने की। आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर खड़े ट्रक से डीजल चोरी करते थे। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्कार्पियो वाहन, डीजल के अलावा किसी भी परिस्थिति में हमला करने के लिए रखे सामानों को जप्त किया है। आरोपियों के विरुद्ध कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। चोरी के मामलों में आरोपी पूर्व में भी जेल की हवा खा चुके हैं। डीजल चोरी के मामले में और भी लोग शामिल हो सकते हैं, क्योंकि पूर्व में बलेनो कार में आए लोगों के द्वारा भी डीजल चोरी करने का मामला सामने आ चुका है।

खड़ी ट्रकों से डीजल चोरी और रोकटोक पर हमलावर होने वाले चोरों के आतंक से ट्रक चालक और मालिक परेशान थे। ट्रक मालिक संघ की ओर से निरंतर इस ओर पुलिस अधिकारियों का ध्यान इस ओर दिलाया जा रहा था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल ने डीजल चोरों की गिरफ्तारी के लिए शहर के तीनों थाना और साइबर सेल की टीम को अलर्ट किया था। सिलसिलेवार डीजल चोरी की घटनाओं की कड़ी में थाना कोतवाली अंबिकापुर में 11 नवम्बर को अबोध कुमार सिंह पिता आत्मानंद सिंह, निवासी छावनी जिला दुर्ग के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि वह भिलाई के एचटीसी सोम लॉजिस्टिक हथखोज कंपनी में ट्रक वाहन क्रमांक सीजी 07 बीएस 4038 का चालक है। 09 नवम्बर को वह एसीसी प्लांट जामुल भिलाई से ट्रक में सीमेंट लोडकर जिंदल ट्रेडर्स अंबिकापुर पहुंचाने आया था। 10 नवम्बर को जिंदल ट्रेडर्स के मालिक द्वारा किसी कारणवश सीमेंट अनलोड नहीं कराने से दुकान के सामने ट्रक खड़ी करके सो रहा था। रात करीब 3 बजे वाहन के डीजल टंकी तरफ आवाज सुनाई देने पर वह साइड मिरर में देखा तो 3 लड़के ट्रक के डीजल टंकी में पाइप डालकर डीजल निकाल रहे थे। जब वह ट्रक से नीचे उतरकर उन लोगों को डीजल निकालने से रोकने का प्रयास किया तो चेहरे में कपड़ा बांधकर रखे दो लोगों ने गुलेल, चाकू से हमला कर दिया और मारपीट करने लगे। इस बीच एक व्यक्ति लगातार डीजल निकाल रहा था। हल्ला करने पर वे मारपीट करना छोड़कर डीजल लेकर अपनी वाहन में सवार होकर भाग गए। इनके द्वारा ट्रक से करीब 200 लीटर डीजल लूटा गया था। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में धारा 309(4), 309(6), 312 बीएनएस का मामला पंजीबद्ध करके पुलिस ने विवेचना में लिया था। इसके पहले भी मणिपुर, लखनपुर थाना में कई ट्रक चालकों के द्वारा वाहन से डीजल चोरी करने का रिपोर्ट दर्ज कराया था। लगातार ट्रकों से डीजल चोरी का मामला सामने आने पर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में विवेचना में लगी टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सीसीटीव्ही फुटेज देखा। प्रार्थी व गवाहों से पूछताछ के बाद साइबर सेल की टीम ने तकनीकी आधार पर अग्रिम कार्रवाई शुरू की। साइबर सेल की टीम ने सूचना तंत्र एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हांकित किया और संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रख रही थी। इसी बीच सूचना तंत्र से पता चला कि संदिग्ध व्यक्ति अपने निजी वाहन से अंबिकापुर क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना पर साइबर सेल, थाना कोतवाली, गांधीनगर, मणीपुर की संयुक्त पुलिस टीम ने 23 नवम्बर को अजबनगर पेट्रोल पम्प के पास खड़ी ट्रक से डीजल चोरी करके भाग रहे स्कार्पियो वाहन में सवार लोगों को पचिरा टोल नाका के पास घेराबंदी करके पकड़ा। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, सहायक उप निरीक्षक अदीप प्रताप सिंह, विनय सिंह, प्रधान आरक्षक छत्रपाल सिंह, आरक्षक लालबाबू सिंह, अतुल सिंह, नितिन सिन्हा, साइबर सेल से सहायक उपनिरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, आरक्षक मनीष सिंह, जितेश साहू, रमेश राजवाड़े थाना गांधीनगर से राहुल सिंह, रमन मण्डल, थाना मणीपुर से उमाशंकर साहू की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

पुलिस इन्हें गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में भेजी

पुलिस ने हीरा लोनी 41 वर्ष, ध्रुव लोनी 22 वर्ष, बसंत लोनी 21 वर्ष, तीनों निवासी सिलपुर थाना कोतमा, रोहित लोनी उर्फ अश्वनी लोनी 25 वर्ष निवासी मलगा थाना रामनगर, जिला अनुपपुर मध्य प्रदेश को कब्जे में लिया और स्कॉर्पियो वाहन, सब्बल, गुलेल, 220 लीटर डीजल मय जरकीन, पुराना कम्बल, डण्डा जप्त किया है। इनके द्वारा लखनपुर रोड जजगा में 15 दिन पूर्व मनेन्द्रगढ़ रोड़ अशोक लिलैंड गैराज के पास, माह सितम्बर में बिलासपुर रोड में खड़ी ट्रक के डीजल टंकी को सब्बल से तोड़कर डीजल की चोरी की थी। गैलन को स्कार्पियो व बलेनो कार में लोड करके एक व्यक्ति के बेच देते थे। इसके बदले में इन्हें नगद पैसा मिल जाता था। पैसा खत्म होता तो ये पुनः एक साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से घटना को अंजाम देते थे। डीजल चोरी करने के लिए प्लास्टिक गैलन मामले में शामिल व्यक्ति ही उपलब्ध कराता था। आरोपियों को गिरफ्तार करके पुलिस ने न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

संभागीय ट्रक मालिक संघ पुलिस विभाग को करेगा सम्मानित

सरगुजा संभागीय ट्रक मालिक संघ के अध्यक्ष रविन्द्र तिवारी ने खड़ी ट्रकों से आए दिन होने वाली डीजल चोरी की घटनाओं को देखते हुए कई बार पुलिस अधीक्षक सरगुजा को आवेदन देकर मामले को गंभीरता से लेने का आग्रह किया था। इसके बाद भी वारदात में कमी नहीं आ रही थी। चोरों का हिंसक रूख भी सामने आ रहा था, जो रोकटोक करने पर ट्रक के चालक व स्टाफ पर हमलावर हो रहे थे। संघ ने सफल अभियान हेतु पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज व पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त किया है, और कहा है कि यह कार्रवाई न केवल ट्रक मालिकों को बड़ी राहत देने वाली है, बल्कि क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था में विश्वास को भी मजबूती प्रदान कर रहा है। संघ की ओर से इस उत्कृष्ट कार्रवाई के लिए पुलिस विभाग को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है।

महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान के लिए संघर्ष जारी रहेगा

माता बहादुर कलारिन सम्मान प्राप्त समाज सेवी शिल्पा पांडेय पत्रकारों से हुई रूबरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष व नारी उत्थान हेतु उल्लेखनीय योगदान के लिए माता बहादुर कलारिन राज्य अलंकरण सम्मान से सम्मानित समाजसेवी व अधिवक्ता शिल्पा पाण्डेय सृष्टि ने सोमवार को शहर के सर्किट हाउस में प्रेस विमर्श किया। पत्रकारों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उन्होंने कहा कि उनको मिला सम्मान सरगुजा की जनता को समर्पित है, जिन्होंने उनके हर अभियान को सफल बनाते हुए यहां तक पहुंचने में मदद की। उन्होंने कहा कि मीडिया ने उनके हर सामाजिक गतिविधियों को समाचार के रूप में स्थान दिया। उन्होंने राज्य सरकार व जिला प्रशासन का भी सम्मान के लिए निष्पक्ष चुनाव करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि वे विगत 20 वर्षों से महिलाओं एवं किशोरियों के उत्पीड़न के विरूद्ध जन जागरूकता अभियान चला रही हैं। उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छता जागरूकता एवं एड्स से बचाव कार्यक्रमों में भागीदारी तथा मानव तस्करी की शिकार बालिकाओं एवं महिलाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयासों सहित नारी उत्थान के क्षेत्र में कई कार्य किए हैं। आदिवासी बहुल महिलाओं को स्वावलंम्बी बनाने हेतु कई महिला स्व सहायता समूहों का गठन भी किया है। उन्हें अब तक मिले सम्मानों में जनशिक्षण संस्थान भारत सरकार द्वारा महिला उत्पीड़न एवं निवारण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सम्मान पत्र, राज्य युवा आयोग द्वारा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु शक्ति सम्मान, तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा सर्वश्रेष्ठ नारी सम्मान 2008 सहित सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा विधिक अधिकारों के प्रति जनजागरूता के लिए भी सम्मान प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा महिलाओं एवं किशोरियों के उत्पीड़न के विरूद्ध व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, साथ ही बड़े पैमाने पर विधिक अधिकारों के प्रति उन्हें जागरूक कर रही हैं। स्वच्छता मॉडल कहे जाने वाले अंबिकापुर की सफाई दीदियों को भी घरेलू हिंसा, समाजिक हिंसा, शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना के विरुद्ध जागरूक करके उन्हें स्वाभिमान से जीने हेतु उन्होंने प्रेरित किया है। उन्होंने शहरी आजीविका मिशन से जुड़कर कर महिलाओं के स्वयं सहायता समूह का निर्माण कर उन्हें रोजगार से जोड़ने का भी कार्य किया। किन्नर समुदाय के सदस्यों को समाज की मुख्य धारा में जोड़ने का प्रयास कर उन्हें आर्थिक तथा सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की पहल की है। उन्होंने किशोरी तथा नाबालिक बालिकाओं के शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न के विरूद्ध लगातार विद्यालयों, महाविद्यालयों, बस्ती, ग्राम पंचायतों, टोलों एवं पहाड़ी बसाहट में भी जन-जागरूकता शिविरों का आयोजन कर उन्हें लैंगिक अधिकारों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की जानकारी देकर जागरूक करने का प्रयास किया है। उनके द्वारा मानव तस्करी का शिकार होकर लौटी युवतियों एवं महिलाओं को सकारात्मक प्रेरणा देकर उन्हें पुनर्वास हेतु लगातार प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने अपने परिवार से मिले पूर्ण सहयोग और समर्थन का जिक्र करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित पति उमेश पांडेय के अलावा माता साधना पाण्डेय, पिता राजकुमार पाण्डेय, भाई जितेंद्र पाण्डेय एवं सासु मां लीलावती पाण्डेय को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मिले पुरस्कार को इनके अतुलनीय योगदान का परिणाम बताया।

करंट की चपेट में आने से पति-पत्नी की हुई थी मौत, मृतक के विरूद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खेत में पानी पटाने के लिए खींचे गए अवैध करंट प्रवाहित विद्युत तार की चपेट में आने से पति-पत्नी की हुई मौत के मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने मृतक के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक करीमन गोड़ पिता जागर साय 56 वर्ष एवं उसकी पत्नी दिलकुंवर गोड़ निवासी ग्राम मुड़ेसा अवराडुगू की मृत्यु तरंगित बिजली के तार की चपेट में आने से हो गई थी। गांधीनगर थाना के सहायक उपनिरीक्षक राकेश मिश्रा ने मर्ग जांच में पाया कि मृतक करीमन गोड़ पड़ोस में रहने वाले रजिन्दर सिंह के यहां से घरेलु उपयोग के नाम पर बिजली तार जोड़ा था, किन्तु इसका उपयोग टुल्लू पम्प से खेत में पानी पटाने के लिए करने लगा। घटना दिनांक 22 जुलाई को शाम करीब 4-5 बजे के बीच मृतक करीमन गोड़ खेत में पानी पटाने के लिए अपने घर से अवैध बिजली तार खींचकर टुल्लू पम्प को जोड़ रहा था, इसी दौरान बिजली करेंट लगने से करीमन गोड़ छटपटाने लगा। पत्नी दिलकुंवर गोड़ अपने पति को बचाने के लिए तार को हटाने लगी, इसी दौरान वह भी बिजली करंट की चपेट में आ गई और दोनों पति-पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने बिजली विभाग को पत्र लिखकर मृतक करीमन गोड़ के द्वारा लिए गए बिजली कनेक्शन के संबंध में जानकारी ली तो सामने आया कि घटना दिनांक को जिस बिजली कनेक्शन का उपयोग टुल्लू पम्प चलाने के लिए मृतक किया था, वह अवैध रूप से खींचा हुआ है। पुलिस ने आरोपी मृतक करीमन गोड़ के विरूद्ध धारा 106(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया है।

एक अन्य मामले में दरिमा थाना में मृतक के विरूद्ध केस दर्ज

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पर्री में भी एक युवक की बिजली करंट की चपेट में आने से मौत हो गई थी, मामले की जांच में पुलिस ने पाया कि मृतक राधेश्याम राजवाड़े पिता बैगाराम 32 वर्ष घटना दिनांक 2 अगस्त को सुबह 8 बजे खेत की सिंचाई करने के लिए टुल्लू पंप चलाने के उद्देश्य से तार को बिजली के पोल से खींचा था। इस दौरान करेंट के सम्पर्क में आने पर उसे इलाज के लिए होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लाया गया। यहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टर ने मृत्यु का कारण करेंट लगने व हृदयगति रूकना बताया था। पुलिस ने बिजली विभाग लखनपुर के कनिष्ठ अभियंता से जांच रिपोर्ट प्राप्त किया, जिसमें सामने आया कि मृतक राधेश्याम राजवाड़े अवैध रूप से विद्युत पोल से बिजली तार खींचा था, जिसके सम्पर्क में आने से उसकी मौत हो गई। ना पाया गया। पुलिस ने मृतक राधेश्याम राजवाड़े के विरूद्ध धारा 106(1) बीएनएस एवं विद्युत अधिनियम की धारा 135 का अपराध पंजीबद्ध किया है।

जमुआटाड़ में धान लोड ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। बलरामपुर जिला मुख्यालय से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम जमुआटाड़ में धान लोड ट्रैक्टर ने पैदल चल रहे युवक को टक्कर मार दी, जिला अस्पताल में युवक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, बुधुडीह की ओर से तेज रफ्तार में आ रहा धान से भरा ट्रैक्टर बलरामपुर की ओर आ रहा था। जैसे ही ट्रैक्टर जमुआटाड़ के पंचायत भवन के समीप पहुंचा, उसी दौरान सड़क किनारे पैदल चल रहे लगभग 22 वर्षीय युवक सोट चेरवा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सीधे खेत में जा उतरा। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने घायल युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल बलरामपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रैक्टर काफी तेज गति में चालक के द्वारा चलाया जा रहा था। ट्रैक्टर में ओवरलोड धान भरा हुआ था।

घूमने के बहाने युवक को ले गए जंगल, की मारपीट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। घूमने के बहाने अपनी वाहन में बैठाकर ले गए युवक के साथ पटपरिया जंगल के पास मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे अनुभव दुबे पिता शैलु दुबे 25 वर्ष, निवासी दर्रीपारा ने गांधीनगर थाने में लिखित शिकायत पत्र देकर अवगत कराया है कि 21 नवम्बर को लगभग 7.30 बजे पटपरिया रोड से वह अपने घर जा रहा था, तभी पावर हाउस के पास युवराज सिंह, विश्वजीत सिंह, विराज उर्फ आकाश दुबे और युद्धवीर सिंह मिले, इन्होंने चलो घूमकर आते हैं, कहते हुए गाड़ी में बैठने के लिए कहा। इसके बाद वे उसे पटपरिया जंगल ले गए और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने लगे। इस पर आपत्ति करने पर वे फाईटर, चाभी से मारने लगे, जिसमें युवक को सिर में गंभीर चोट आई है और एक कान से सुनाई नहीं दे रहा है। आरोपियों के चंगुल से जैसे-तैसे खुद को छुड़ाकर युवक भागा और गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

एसडीएम ने एसआईआर कार्यों का किया निरीक्षण, लापरवाह रोजगार सहायक को निलंबित करने के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वनसिंह नेताम ने तहसीलदार, आरआई के साथ लखनपुर नगर सहित विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों का निरीक्षण किया। लखनपुर विकासखंड के ग्राम कुंवरपुर में एसआईआर कार्य का निरीक्षण करने के दौरान उन्होंने फॉर्म वितरण, जमा करने तथा

डिजिटाइजेशन में प्रगति की जानकारी लेते हुए कार्य में लापरवाही बरतने वाले रोजगार सहायक को फटकार लगाई और लखनपुर जनपद पंचायत के सीईओ डॉ. स्वेच्छा सिंह को रोजगार सहायक को निलंबित करने के निर्देश दिए। कोटवार के अनुपस्थित रहने पर उसे बर्खास्त करने आरआई संजय सिंह को कहा गया। एसडीएम ने एसआईआर कार्य में प्रगति लाने स्थल का चयन कर चौपाल लगाकर गांव में कोटवार से मुनादी करवाने और फॉर्म भरवाने निर्देशित किया है। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार अंकिता पटेल, आरआई संजय सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

पीजी कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी संपन्न

भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष एवं उनकी धर्मपत्नी ने अपने स्व. माता-पिता की स्मृति में पुरस्कृत छात्रों का नकद राशि देकर किया सम्मान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारत में क्षेत्रीय विकास मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर महाविद्यालय स्वशासी वित्त योजना अनुदान व छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोध एवं अध्ययन केंद्र भूगोल विभाग एवं छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का समापन हुआ। संगोष्ठी में छत्तीसगढ़ राज्य के साथ मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश, दिल्ली, झारखंड, मिजोरम, बिहार के शोधकर्ताओं का पहुंचना हुआ। संगोष्ठी में 250 से अधिक भूगोल प्राध्यापक, शोधकर्ता एवं स्नातकोत्तर छात्रों ने अपना पंजीयन कराया। इस अवसर पर प्रकाशित संक्षेपिका एवं सेवेनियर में 173 शोध पत्रों के एब्स्ट्रेक्ट का प्रकाशन हुआ। दो दिनों में कुल 8 तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया, जिसमें देश के विख्यात भूगोल विदों के आमंत्रित व्याख्यान एवं 32 शोध पत्रों का वाचन किया गया। आमंत्रित व्याख्यान में प्रोफेसर एससी राय दिल्ली, प्रोफेसर विशंभर प्रसाद सती मिजोरम, प्रोफेसर अजय तिवारी जबलपुर, डॉ. कावेरी दाभरकर बिलासपुर ने प्रस्तुती दी। संगोष्ठी में महत्वपूर्ण यह रहा कि शोध पत्रों के वाचन के अतिरिक्त 35 वर्ष से कम उम्र के शोध छात्रों के लिए अलग से प्रतियोगिता के रूप में शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण कराया गया। यंग ज्योग्राफर अवार्ड के लिए 8 शोध छात्रों ने सहभागिता की, इनमें से तीन बेस्ट पेपर को प्रथम, द्वितीय एवं

तृतीय पुरस्कार से सम्मानित करते हुए प्रमाण पत्र एवं नकद राशि दिया गया। यंग ज्योग्राफर अवार्ड के विजेता अजीत कुमार शांते रायपुर, शमलेश पोटाई कोंडागांव, असुंता खलखो दुर्ग रहे। पुरस्कार में विशिष्ट बात यह रही भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल सिन्हा एवं उनकी धर्मपत्नी उमा सिन्हा ने अपने स्व. माता-पिता की स्मृति में पुरस्कृत तीनों छात्रों को नकद राशि देकर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त स्नातकोत्तर छात्रों के लिए विशेष थीम सस्टेनेबल डेवलपमेंट एवं नगरीय विकास पर पोस्टर कंपटीशन आयोजित किया गया, जिसमें 17 छात्रों की सहभागिता रही। इनमें से तीन बेस्ट पोस्टर को प्रमाण पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। संगोष्ठी के समापन सत्र में छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर टीएल वर्मा रायपुर मुख्य अतिथि रहे, जिन्होंने विकसित भारत 2047 के थीम और उसके रोड मैप को प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एसपी त्रिपाठी ने संसाधनों के उपयोग और उनके संरक्षण से विकास प्रक्रिया को प्रभावित बताया। समापन सत्र में मिजोरम केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष वीपी सती ने अनुसंधान में आंकड़ों के संकलन, पर्यवेक्षण और उनके विश्लेषण की सूक्ष्म पद्धतियों का उल्लेख किया।

विभागीय परीक्षा के लिए सूची प्रेषित करने संभागायुक्त ने लिखा पत्र

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन गृह-सी विभाग (विभागीय परीक्षा प्रकोष्ठ) मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर द्वारा विभागीय परीक्षा माह जनवरी 2026 की सूचना तथा कार्यक्रम घोषित किया गया है। सरगुज़ा संभागायुक्त ने सम्भाग के समस्त जिले के कलेक्टरों को पत्र लिखकर कहा है कि जिले के समस्त संबंधित विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को विभागीय परीक्षा के संबंध में सूचित किया जाए। परीक्षा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार को उत्तीर्ण होने के लिए 10 प्रतिशत अंकों तक छूट है। ऐसे परीक्षार्थियों से तत्संबंध में अपना जाति प्रमाणपत्र भी आवेदन के साथ जमा करना होगा, जिन परीक्षार्थियों द्वारा जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किए जाएंगे, उन्हें इस प्रकार की सुविधा प्राप्त नहीं होगी। परीक्षार्थियों को उचित माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करना होगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सीजीपीएससी परीक्षा में चयनित पंकज कुमार को किया सम्मानित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सीजीपीएससी परीक्षा में चयनित उम्मीदवार पंकज कुमार यादव का अपने कार्यालय में पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया। उन्होंने जिले के होनहार अभ्यर्थी से उनकी सफलता के सफर पर चर्चा की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल ने प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन अपने कार्यालय में किया और सीजीपीएससी परीक्षा में चयनित उम्मीदवार पंकज कुमार यादव को सीजी पीएससी की परीक्षा में चयन होने की उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने पंकज एवं उनके स्वजन को अर्जित उपलब्धि पर पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया और बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पुलिस अधीक्षक ने पंकज कुमार यादव से मिली सफलता के सफर पर चर्चा करते हुए परीक्षा की तैयारी, योजना के संबंध में चर्चा की। विदित हो कि अंबिकापुर निवासी रामेश्वर यादव के पुत्र पंकज कुमार यादव का वर्ष 2023 की चयन परीक्षा में 90 रैंक मिलने के बाद स्टेट टैक्स इंस्पेक्टर के पद पर चयन हुआ था एवं वर्ष 2024 की चयन परीक्षा में 14वां रैंक प्राप्त हुआ है। पंकज सामान्य परिवार से आते हैं, इनकी सफलता से जिले का मान बढ़ा है। इस दौरान चयनित उम्मीदवारों के परिजन समेत कार्यालय के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर